(पौष माह) वर्ष-10, अंक 209, पृष्ठ- 8, मूल्य : 02 रुपये

प्रयागराज बुधवार 30 अक्टूबर, 2024

TM

नगर संस्करण

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

Adhunik Samachar

प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष मे प्रसारित

10

वरिष्ठ पत्रकार एवं साहित्यकार स्व. राकेश कुमार वर्मा नूतन द्वारा लिखित पुस्तक काल चक्र एक प्रारब्ध का विमोचन रविवार को स्वदेशी शिल्प मेला परिसर उद्योग नगर नैनी प्रयागराज में संपन्न हुआ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नैनी(प्रयागराज)। वरिष्ठ पत्रकार एवं साहित्यकार स्व. राकेश कुमार

वर्मा नूतन द्वारा लिखित पुस्तक काल चक्र एक प्रारब्ध का विमोचन रविवार को स्वदेशी शिल्प मेला परिसर उद्योग नगर नैनी प्रयागराज में संपन्न हुआ। इस मौके पर मुख्य अतिथि आकाशवाणी केंद्र प्रयागराज के निदेशक आशुतोष सुंदरम एवं योगेश शुक्ला पूर्व सदस्य युवा आयोग, भारत सरकार एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री मती माधुरी देवी वर्मा(लेखक स्व.राकेश कुमार वर्मा की मां), रवि कथूरिया उप महालेखाकर प्रयागराज मंडल, शशांक शेखर पांडे, राजेश पाल शामिल हुए। इस मौके पर स्व. राकेश कुमार वर्मा स्मृति सम्मान की शुरुआत की गई । जिसमें साहित्यकार भगवान प्रसाद उपाध्याय पत्रकार आर डी केसरवानी को राकेश कुमार वर्मा नूतन स्मृति सम्मान प्रदान किया गया। इसके साथ ही स्थानीय पत्रकारों को सम्मानित किया गया। इस पुस्तक में स्व. राकेश कुमार वर्मा द्वारा लिखी गई रचनाओं को उनकी पत्नी स्व. श्रीमती नूतन वर्मा ने संकलित किया था और श्री वर्मा के निधन के केवल एक माह पांच दिन बाद उनका भी निधन हो गया था। माता पिता की मौत के बाद संकलित रचनाओं को एक पुस्तक में पिरोकर स्व. राकेश कुमार वर्मा नूतन के बड़े पुत्र कलाकार संघ यमुनापार के अध्यक्ष प्रियांशु श्रीवास्तव ने अपनी मित्र डॉ. आकांक्षा पाल(संगीत प्रवक्ता) चौधरी महादेव प्रसाद महाविद्यालय, प्रयागराज के साथ मिलकर इस पुस्तक का संपादन किया है।विमोचन कार्यक्रम में मंच संचालन आकाशवाणी केंद्र प्रयागराज (प्रसार भारती) की कंपेयर श्वेता श्रीवास्तव ने किया।कार्यक्रम के दौरान सीएमपी डिग्री कॉलेज के छात्र छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुति की गई।

गैर-कानूनी पेमेंट गेटवे के खिलाफ अलर्ट, म्यूल बैंक खातों की मदद से बने और मनी लॉन्ड्रिंग में हैं लिप्त

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। गृह मंत्रालय और भारतीय साइबर अपराध समन्वय केन्द्र ने अंतरराष्ट्रीय संगठित साइबर अपराधियों की तरफ से अवैध गतिविधियों के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले 'म्यूल' बैंक खातों का उपयोग कर बनाए गए उन गैर-कानूनी पेमेंट गेटवे के खिलाफ अलर्ट जारी किया है, जो मनी लॉन्ड्रिंग में लिप्त हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने साइबर अपराधियों के अंतरराष्ट्रीय गिरोहों की तरफ से बनाए गए अवैध भुगतान गेटवे के खिलाफ अलर्ट जारी किया है, जो 'म्यूल' बैंक खातों का उपयोग करते हैं और इनका उपयोग मनी लॉन्ड्रिंग की सुविधा के लिए किया जा रहा है। गुजरात पुलिस और आंध्र प्रदेश पुलिस की तरफ से हाल ही में की गई राष्ट्रव्यापी छापेमारी में पता चला कि अंतरराष्ट्रीय अपराधियों ने 'म्यूल' या किसी और के खातों का संचालन कर अवैध डिजिटल पेमेंट गेटवे बनाए हैं। मनी लॉन्ड्रिंग में लिप्त इस अवैध तंत्र का इस्तेमाल साइबर अपराधों से हासिल अवैध

धन की लॉन्ड्रिंग के लिए किया जाता है। वहीं भारतीय साइबर अपराध समन्वय केन्द्र (घ4ण्) ने नागरिकों को सलाह दी है कि वे अपने बैंक खाते/कंपनी पंजीकरण प्रमाणपत्र/उद्यम आधार पंजीकरण प्रमाणपत्र किसी को न बेचें और न ही किराए पर दें। ऐसे बैंक खातों में किसी और की तरफ से जमा अवैध धनराशि के लिए गिरफ्तारी समेत अन्य कानूनी अंजाम हो सकते हैं। बैंक उन खातों के दुरुपयोग की पहचान करने के लिए जांच कर सकते हैं जिनका इस्तेमाल अवैध पेमेंट गेटवे बनाने के लिए किया जाता है।जानकारी के मुताबिक गेटवे अंतरराष्ट्रीय साइबर अपराधियों की तरफ से बनाए गए हैं जो शेल कंपनियों और व्यक्तियों के खातों का उपयोग करके मनी लॉन्ड्रिंग सेवाएं प्रदान करते हैं, बैंकों की तरफ से प्रदान की गई थोक भुगतान सुविधा का फायदा उठाते हैं, यह जानकारी मंत्रालय ने दी एक सरकारी बयान में कहा गया है, गुजरात और आंध्र प्रदेश की पुलिस के ऑपरेशन के दौरान पहचाने गए कुछ भुगतान गेटवे में पीसपे, आरटीएक्स पे, पोकोपे, आरपीपे अन्य शामिल हैं।

वॉशिंगटन पोस्ट के कमला हैरिस को नजरअंदाज किए जाने पर विवाद अखबार के बचाव में आए बेजोस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। वॉशिंगटन पोस्ट ने गुरुवार को एलान किया था की प्रकाशन 1988 के बाद पहली बार राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार का बेजोस के अखबार में छपे आलेख में भारतवंशी डेमोक्रेट नेता कमला हैरिस की अनदेखी की गई है। वॉशिंगटन पोस्ट के आलेख में राष्ट्रपति चुनाव प्रत्याशी कमला

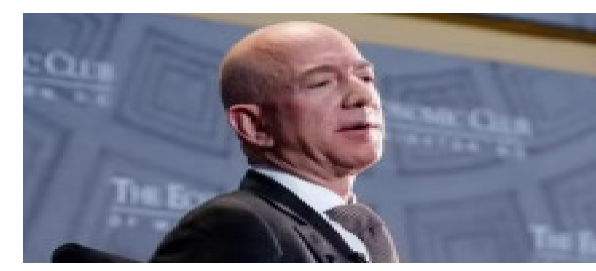

समर्थन नहीं करेगा। इसी पर लोगों ने जमकर आलोचना की। अमेरिका में पांच नवंबर को राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होना है। एक तरफ डेमोक्रेट्स की कमला हैरिस तो दूसरी ओर रिपब्लिकन की ओर से डोनाल्ड ट्रंप चुनावी मैदान में हैं। दोनों में कड़ा मुकाबला है और इन्हें समर्थन करने वाले खुलकर सामने आ रहे हैं। इस बीच, राष्ट्रपति चुनाव से जुड़ा दिलचस्प वाकया सामने आया। खबरों के मुताबिक जेफ हैरिस को नजरअंदाज करने को लेकर विवाद हुआ, जिसके बाद अब अमेजन के संस्थापक बेजोस ने सफाई दी। सोमवार देर रात प्रकाशित एक लेख के माध्यम से वॉशिंगटन पोस्ट के मालिक जेफ बेजोस ने कहा कि किसी भी एक राजनीतिक पक्ष का समर्थन न करना वाशिंगटन पोस्ट के लिए सही कदम है। अखबार को निष्पक्ष रहना चाहिए।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE · कौशलं बलम् · NAINI ALLAHABAD

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी

फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड

कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज,पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

(वरिष्ठ आई.पी.एस.) श्री अविनाश चन्द्रा
महानिदेशक
अग्निशमन सुरक्षा एवं आपात सेवा उत्तर प्रदेश

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

Enjoy Publicity · ALL TYPE PRINTING SOLUTION

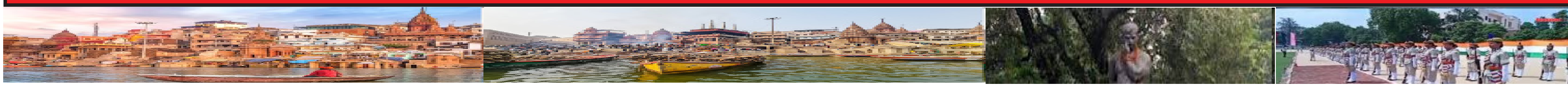

अध्यक्ष रेरा ने रियल स्टेट एजेंट प्रशिक्षण जल्द शुरू करने के निर्देश दिए

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
लखनऊ। उत्तर प्रदेश भू सम्पदा विनियामक प्राधिकरण (रेरा) की स्टाफ बैठक का आयोजन रेरा सभागार में अध्यक्ष संजय आर भूसरेडडी की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस बैठक में रेरा ए.सी.आर. कार्यालय ग्रेटर नोएडा के अधिकारी भी वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए। बैठक का मुख्य उद्देश्य प्राधिकरण के कार्यों का गुणवत्ता पूर्ण क्रियान्वयन, जिसके अन्तर्गत एजेन्ट पंजीकरण और प्रशिक्षण की तैयारी, प्रमोटरों से सम्बन्धित जानकारियां अद्यतन किया जाना और अपीलीय अधिकरण से समन्वय करना आदि। अध्यक्ष संजय आर भूसरेडडी ने बैठक में बिंदुवार समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि एजेंट ट्रेनिंग के लिए सभी आवश्यक तैयारियाँ शीघ्र पूर्ण की जाएँ और प्रशिक्षण का कार्य नवंबर माह से हर हाल में आरंभ कर दिया जाए। उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण रियल एस्टेट एजेंटों के कार्य कौशल को उन्नत करने और उत्तर प्रदेश में रेरा के नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शुरू किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, रेरा द्वारा जारी किए गए वसूली प्रमाण पत्रों में कई प्रमोटरों के पते और संपत्ति का विवरण उपलब्ध नहीं होने के कारण जिलाधिकारियों द्वारा वसूली नहीं की जा पा रही है। इस स्थिति को सुधारने के लिए रेरा पोर्टल को आर.ओ.सी. की वेबसाइट से जोड़ने का प्रस्ताव भारत सरकार को भेजा गया था। भूसरेडडी ने निर्देश दिए कि इसके लिए सचिव, कॉरपोरेट अफेयर्स, भारत सरकार को जल्द अनुस्मारक पत्र भेजा जाए ताकि प्रमोटरों की अद्यतन जानकारी सहजता से प्राप्त हो सके और वसूली प्रमाण पत्रों पर कार्रवाई की जा सके। अध्यक्ष ने अपीलीय अधिकरण से दायर की जा रही अपीलों की स्थिति की जानकारी प्राप्त करने के लिए अपील अधिकरण की वेबसाइट और रेरा पोर्टल के बीच एपीआई के माध्यम से इंटीग्रेशन सुविधा की भी बात कही। सहायक निदेशक (आई.टी.) को यह इंटीग्रेशन प्रक्रिया शीघ्र पूरी करने के निर्देश दिए गए ताकि अपील संबंधी सूचनाओं का समय पर आदान-प्रदान हो सके, जिससे आर.सी. जारी, भरने या धनराशी घर खरीददारों के खातों में भेजने के कार्यों जैसे मामलों के निस्तारण में तेजी आए। बैठक में सचिव, प्रमोद कुमार उपाध्याय प्रमुख सलाहकार, अबरार अहमद, सहित रेरा के अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

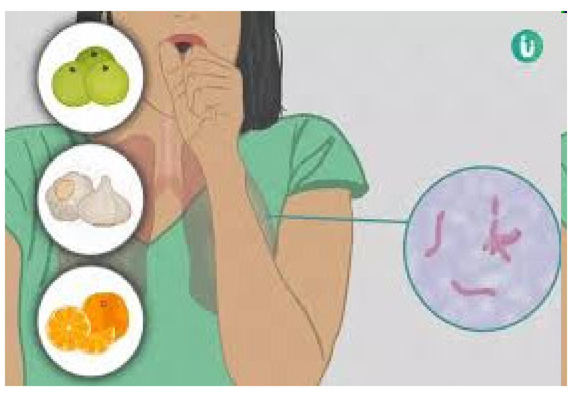

ट्रैक की मरम्मत के लिए बंद रही क्रॉसिंग

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। रॉबर्ट्सगंज रेलवे क्रॉसिंग के पास ट्रैक की मरम्मत के कारण रविवार को पूरे दिन रॉबर्ट्सगंज-रामगढ़ मार्ग पर

आवागमन बाधित रहा। सुबह साढ़े दस बजे से शुरू हुआ मरम्मत कार्य पूरे दिन चलता रहा। क्रॉसिंग को शाम सवा सात बजे चारपहिया वाहनों के लिए खोल दिया गया। सोमवार को साढ़े नौ बजे से फिर क्रॉसिंग बंद कर काम कराया जाएगा। जेबीसी से कार्य कराया गया। त्योहारी सीजन में स्टेट हाईवे पर स्थित रेलवे क्रॉसिंग बंद किए जाने से राहगीरों को परेशानी हुई। साइकिल व बाइक सवार रेलवे स्टेशन के आगे से घूमकर आ-जा रहे थे। बड़े वाहन रेलवे क्रॉसिंग के पास खाली मैदान में खड़े रहे। मिर्जापुर के कलवारी से घोरावल, रॉबर्ट्सगंज होते हुए बिहार सीमा तक जाने वाले स्टेट हाईवे पर रॉबर्ट्सगंज नगर की सीमा में रेलवे क्रॉसिंग स्थित है। रायपुर, मांची, रामपुर बरकोनिया थाना क्षेत्रों के सैकड़ों गांवों सहित बिहार आने-जाने वालों के लिए यही प्रमुख मार्ग है। रोजाना सैकड़ों छोटे-बड़े वाहन इस मार्ग से गुजरते हैं। ट्रैक मरम्मत के लिए इस रेलवे क्रॉसिंग को रविवार को बंद किया गया। मरम्मत का कार्य ऐसे समय हो रहा है, जब त्योहारी सीजन चल रहा है। आवागमन का मुख्य मार्ग होने के कारण खरीदारी के लिए ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा क्रॉसिंग बंद होने से कचहरी, तहसील, जिला मुख्यालय पर आने वाले लोगों को दुश्वारियां झेलनी पड़ीं। बस समेत अन्य यात्री वाहनों का संचालन रेलवे क्रॉसिंग तक हुआ रॉबर्ट्सगंज-रामगढ़ मार्ग पर स्थित रेलवे क्रॉसिंग पर डीप स्क्रीनिंग व ट्रैक मेंटनेंस का काय कराया जा रहा है।

डीसीएम के धक्के से बाइक सवार इकलौते पुत्र की मौत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
बभनी। थाना क्षेत्र के शीशटोला छत्तीसगढ़ बार्डर पर रविवार की शाम करीब पांच बजे डीसीएम के धक्के से बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई। जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक का उपचार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बभनी में चल रहा है। अस्पताल से प्राप्त मेमो के आधार पर पुलिस कार्रवाई में जुट गई। राहुल (18) और आशीष कुमार (19) निवासी सरना थाना रघुनाथनगर छत्तीसगढ़ बाइक से कहीं जा रहे थे। बाइक सवार जैसे ही शीशटोला छत्तीसगढ़ बार्डर पहुंचे, उसी समय डीसीएम ने टक्कर मार दी। इसमें बाइक सवार दूर जा गिरे। घटना के बाद भाग रहे डीसीएम को पुलिस ने पकड़ लिया। घायलों को एंबुलेंस और पीआरवी 112 की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बभनी ले जाया गया। वहां चिकित्सक ने राहुल को मृत घोषित कर दिया। आशीष का उपचार चल रहा है। आशीष ने बताया कि दोनों घर से दोपहर में मोबाइल बनवाने के लिए चपकी आए थे। मोबाइल बनवाकर घर जा रहे थे। प्रभारी निरीक्षक सदानंद राय ने बताया कि डीसीएम ट्रक पकड़ा गया है। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

लाइसेंसी बंदूक समेत हिरासत में लिया गया आरोपी, नशे में की थी वारदात

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मिर्जापुर। उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले में एक शख्स ने नशे में अपने पड़ोसी के पालतू कुत्ते को गोली मार दी, जिससे वह मर गया। घटना की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी को लाइसेंसी बंदूक के साथ गिरफ्तार कर लिया। मिर्जापुर जिले के भिलगौर गांव में पड़ोसी ने पालतू कुत्ते को गोली मार दी। इससे कुत्ता मर गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को पकड़कर लाइसेंसी बंदूक कब्जे में ले लिया। आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना शनिवार को देर रात में हुई जिगना थाने के भिलगौर गांव निवासी संतोष सिंह ने पुलिस को सूचना देकर बताया कि पड़ोसी भीम सिंह ने शनिवार की रात करीब 10 बजे लाइसेंसी बंदूक से उनके पालतू कुत्ते को गोली मार दी। इससे कुत्ता मर गया। जब पूछने गए तो गोली मारने की धमकी दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच कर आरोपी भीम सिंह को पकड़कर लाइसेंसी बंदूक को कब्जे में ले लिया। थानाध्यक्ष शैलेश कुमार राय ने बताया कि कुत्ते को गोली मारे जाने के मामले में भीम सिंह पर जानवर को मारने आदि समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। आरोपी पर शराब के नशे में कुत्ते को गोली मारने का आरोप है। बंदूक को कब्जे में ले लिया गया है।

मण्डलायुक्त महोदय, प्रयागराज की अध्यक्षता में जैविक बाजार के संचालन हेतु संवेदीकरण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। दिनांक 28.10.2024 को गाँधी सभागार, कमिश्नरेट परिसर, प्रयागराज में मण्डलायुक्त महोदय की अध्यक्षता में जैविक बाजार के संचालन हेतु संवेदीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें मण्डलीय कार्यालय के विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। उप कृषि निदेशक प्रयागराज द्वारा अतिथियों के स्वागत स्वरूप एक नयी परम्परा की शुरूआत की गयी जिसमें मण्डलायुक्त महोदय को जनपद मे संचालित मिलेट्स योजनान्तर्गत कराये गये फसल प्रर्दशनों से प्राप्त श्रीअन्न जैसे रागी, साँवा, ज्वार, कगनी, बाजरा इत्यादि की बालियों से बने हुए गुलदस्ता एवं नमामि गंगे योजनान्तर्गत उत्पादित जैविक सब्जियों की टोकरी देकर स्वागत किया गया, जिसका सभी उपस्थित लोगो द्वारा सराहना किया गया। उप कृषि निदेशक, प्रयागराज द्वारा बताया गया कि नमामि गंगे योजनान्तर्गत संचालित क्लस्टरों में जैविक विधि से रसायन मुक्त खेती की जा रही है, जिसमें तीन वर्ष के बाद ही उत्पादित उपज को विक्रय हेतु जैविक बाजार में कृषकों द्वारा उपलब्ध कराया जा रहा है एवं श्रीअन्न के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान किया गया। मण्डलायुक्त महोदय ने अपने सम्बोधन में बताया कि आज की परिस्थिति में रसायनों का उपभोग न करने के बाद भी विभिन्न माध्यमों से रसायन हमारे शरीर में प्रवेश कर रहा है, जिसके परिणाम स्वरुप हम जानलेवा बीमारियों से ग्रसित हो रहे हैं। मण्डलायुक्त महोदय ने उपस्थित सभी अधिकारियों / कर्मचारियों से आह्वान किया कि मुण्डेरा मण्डी स्थित साप्ताहिक जैविक बाजार (बृहस्पतिवार) से रसायन रहित जैविक सब्जियों कय कर अपने परिवार के उपभोग में लायें तथा अपने समाज में इसका प्रचार-प्रसार भी करें। श्री एस0 आर0 कौशल, पूर्व निदेशक, राज्य जैविक बीज प्रमाणीकरण संस्था, उ0प्र0 द्वारा पी0पी0टी0 के माध्यम से हर व्यक्ति कैसे अपने घर पर ही किचन वेस्ट एवं वर्मी कम्पोस्ट से जैविक विधि द्वारा विभिन्न प्रकार की सब्जियों एवं फलों का उत्पादन रसायनों का उपयोग किये बिना ही सफलतापूर्वक एवं गुणवत्तायुक्त उत्पादन कर सकते हैं, जिससे अपने परिवार के लिए जैविक सब्जियों की आवश्यकताओं की पूर्ति हो सकती है। जैविक उत्पादों में नाईट्रेट रसायन मानक के अनुरूप एवं उपभोग करने योग्य है, इसके परीक्षण के लिए ग्रीन टेस्ट नामक उपकरण द्वारा बैगन, कद्दू टमाटर इत्यादि का परीक्षण किया गया। नमामि गंगे योजनान्तर्गत उत्पादित सब्जियों में परीक्षणोपरान्त नाईट्रेट रसायन मानक के अनुरूप पाया गया जबकि बाजार से कय किये गए सब्जियों में नाईट्रेट रसायन मानक से अत्यधिक पाया गया। उप कृषि निदेशक, प्रयागराज द्वारा मण्डलायुक्त महोदय से अनुरोध किया गया कि जैविक बाजार मुण्डेरा मण्डी में अवस्थित होने के कारण सम्भ्रान्त वर्ग नहीं पहुँच पा रहा है यदि जनपद के प्रमुख स्थान पर विस्तार हो सकता है। मण्डलायुक्त प्रयागराज को निर्देशित किया गया कि जैविक उत्पादों की व्यवस्था हो जाय तो इसका व्यापक

महोदय द्वारा श्री के0 के0 सिंह, जिला कृषि अधिकारी जनी 2 पयुक्त स्थल का शीघ्र चयन कर अवगत 1 दे2 करायें जहाँ शहरी उपभोगताओं को जैविक सब्जिया सुलभ हो सके। श्री पुष्पराज सिंह, अपर आयुक्त (प्रशासन) प्रयागराज मण्डल, प्रयागराज ने अपने सम्बोधन में बताया कि जैविक खेती ही भविष्य की पद्धति होनी चाहिए, जिससे रसायनमुक्त उत्पाद को बढावा मिल सके और विभिन्न प्रकार की बीमारियों से बचा जा सके। उन्होंने जैविक खेती कर रहे कृषकों को अपनी शुभकामनाएं दी तथा जैविक कार्यक्रम में सम्मिलित उप कृषि निदेशक, प्रयागराज की पूरी टीम को इस कार्य के लिए बधाई दिया। डा0 रमेश मौर्य, संयुक्त कृषि निदेशक, प्रयागराज मण्डल, प्रयागराज द्वारा मण्डलायुक्त महोदय को जैविक बाजार के संवेदीकरण कार्यक्रम के कुशल नेतृत्व एवं सफल आयोजन के लिए आभार व्यक्त किया गया।

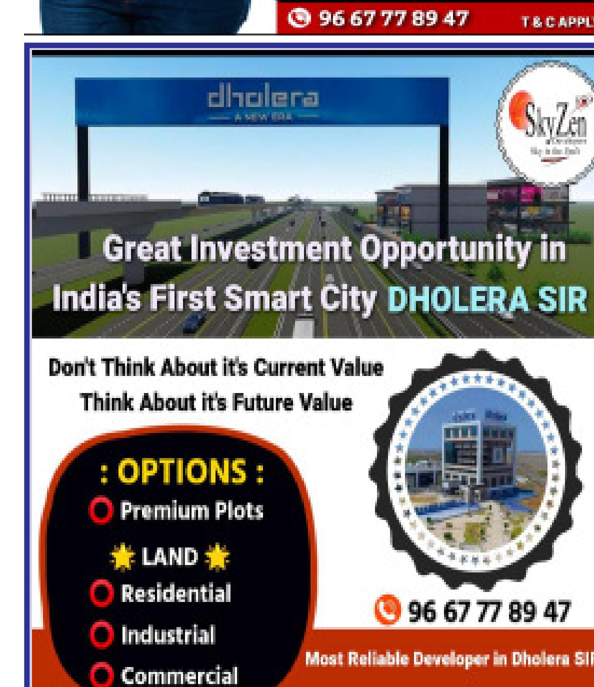

भारत

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तानी जेलों में 17 महीनों में सात भारतीय मछुआरों की मौत, पड़ोसी देश में अभी इतने भारतीय मछुआरे बंदी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। पाकिस्तान की जेल में बंद सात भारतीय मछुआरों की मई 2023 के बाद से मौत हो गई हैं। जबकि पड़ोसी देश में सैकड़ों भारतीय मछुआरे अभी भी कैदी है। सूत्रों ने बताया कि इनमें से 181 मछुआरे पहले ही अपनी छह महीने की सजा पूरी कर चुके हैं और भारत ने उनकी राष्ट्रीयता की पुष्टि कर दी है। पिछले साल

मई से अब तक पाकिस्तानी जेलों में सात भारतीय मछुआरों की मौत हो चुकी है, जिसमें से एक की मौत का ताजा मामला तीन दिन पहले सामने आया है आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि फिलहाल पाकिस्तान की हिरासत में कुल 209 भारतीय मछुआरे हैं। सूत्रों ने बताया कि इनमें से 181 मछुआरे पहले ही अपनी छह महीने की सजा पूरी कर चुके हैं और भारत ने उनकी राष्ट्रीयता की पुष्टि कर दी है। उन्हें भारत वापस भेजने का अभी भी इंतजार है। उन्होंने बताया कि उनमें से कुछ 2021 से पाकिस्तान की हिरासत में हैं।सूत्रों ने बताया कि 28 मछुआरों के लिए अभी भी पाकिस्तान से काउंसलर एक्सेस का इंतजार है। एक भारतीय मछुआरे की मौत का ताजा मामला 25 अक्तूबर को सामने आया था। उन्होंने बताया कि उसकी पहचान हरि के रूप में हुई है। हालांकि उसके बारे में अभी और कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है। सूत्रों ने बताया कि सितंबर में भी सेराश नाम के एक अन्य भारतीय की पाकिस्तान की जेल में दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई थी। उन्होंने बताया कि सेराश का पार्थिव शरीर 11 अक्तूबर को भारत भेज दिया गया था, जबकि हरि का शव अभी भेजा जाना बाकी है। एक सूत्र ने बताया, 2023 से अब तक पाकिस्तान की जेलों में सात भारतीय मछुआरों की मौत हो चुकी है। उनकी मौत का कारण हृदय गति रुकना और उच्च रक्तचाप के कारण होने वाली जटिलताएं थीं। जुलाई में भारत ने पाकिस्तान की हिरासत से नागरिक कैदियों, मछुआरों और उनकी नावों के साथ-साथ लापता भारतीय रक्षा कर्मियों की शीघ्र रिहाई और स्वदेश वापसी का आह्वान किया था।

रेलवे पुलिस ने बांद्रा टर्मिनस भगदड़ मामले की जांच शुरू की नासिक में फजी आईपीएस गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। रेलवे पुलिस ने सोमवार को पश्चिमी रेलवे के बांद्रा टर्मिनस पर एक दिन पहले हुई भगदड़ की जांच शुरू कर दी है। भगदड़

रविवार तड़के 2:45 बजे हुई, जब लोगों ने बांद्रा-गोरखपुर अंत्योदय एक्सप्रेस पर चढ़ने की कोशिश की। टर्मिनस उन हजारों यात्रियों से खचाखच भरा हुआ था। रेलवे पुलिस डीसीपी मनोज पाटिल ने कहा, हमने घटना की जांच शुरू कर दी है। गंभीर रूप से घायल दो यात्रियों की पहचान इंद्रजीत सहनी (19) और नूर मोहम्मद शेख (18) के तौर पर हुई है। दस घायलों में से सात का अस्पताल में इलाज चल रहा है। महाराष्ट्र के नागपुर में खुद को आईपीएस अधिकारी बताकर एक कारोबारी से एक करोड़ की ठगी करने वाले आरोपी गौरव रामचेश्वर मिश्रा (37) को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। एक अधिकारी ने बताया कि वारदात को अंजाम देने के लिए आरोपी ने पुलिस की वर्दी पहनी, लालबत्ती लगी गाड़ी में सफर किया और रेलवे बोर्ड में महानिरीक्षक का फर्जी पहचान पत्र इस्तेमाल किया। पूछताछ में पता चला कि आरोपी 2018 में शिकायतकर्ता से मिला था और उसका विश्वास जीतने के बाद ठगी की।भारत दौरे पर आए स्पेन के प्रधानमंत्री सांचेज ने मुंबई में भारतीय लोगों के बीच दिवाली मनाई। उन्होंने दीप जलाने के साथ फुलझरी भी जलाई। स्पेन के राजकीय मेहमान ने भारतीय मिठाइयों का लुत्फ भी उठाया। इससे पहले स्पैनिश प्रधानमंत्री गुजरात दौरे पर गए थे।

रूस बोला- कजान में आयोजित शिखर सम्मेलन से बड़े बदलाव के संकेत, आकार ले रहा नया रचनात्मक एजेंडा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। पिछले हफ्ते के ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के परिणामों पर दिल्ली में मीडिया को जानकारी देते हुए, भारत में रूसी राजदूत डेनिस अलीपोव ने कहा कि यह 35 राज्यों और छह अंतरराष्ट्रीय संगठनों के नेताओं के साथ विस्तारित प्रारूप में पहला शिखर सम्मेलन था, अंतरराष्ट्रीय संगठनों के नेताओं के साथ विस्तारित प्रारूप में पहला शिखर सम्मेलन था, जिसमें संयुक्त राष्ट्र महासचिव के साथ-साथ एशियाई, अफ्रीकी और लैटिन अमेरिकी देश शामिल थे, जो ब्रिक्स प्लस/आउटरीच प्रारूप में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि पूरे वर्ष के दौरान, रूस ने लगभग 200 कार्यक्रमों की

जिसमें संयुक्त राष्ट्र महासचिव के साथ-साथ एशियाई, अफ्रीकी और लैटिन अमेरिकी देश शामिल थे, जो ब्रिक्स प्लस/आउटरीच प्रारूप में शामिल हुए रूस ने सोमवार को कहा कि कजान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन ने संकेत दिया कि एक 'नए रचनात्मक एजेंडे' का आकार ले रहा है, और मॉस्को व्यावहारिक सहयोग और अंतर्राष्ट्रीय समन्वय पर ध्यान केंद्रित करते हुए समूह को और मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। पिछले हफ्ते के ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के परिणामों पर दिल्ली में मीडिया को जानकारी देते हुए, भारत में रूसी राजदूत डेनिस अलीपोव ने कहा कि यह 35 राज्यों और छह मेजबानी की - विदेशी और अन्य क्षेत्रीय मंत्रिस्तरीय बैठकें, संसदीय मंच, एनएसए संवाद, कार्य समूह, सम्मेलन और सेमिनार, व्यापार मंच, सांस्कृतिक और फिल्म समारोह और खेल खेल, फैशन फोरम और फायर ड्रिल जैसे कार्यक्रम आयोजित की गई।ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका (ब्रिक्स) का शिखर सम्मेलन, जो अब पांच अतिरिक्त सदस्यों मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब और यूएई के साथ विस्तारित हो गया है, मास्को से लगभग 900 किलोमीटर पूर्व में रूसी शहर कजान में 22 से 24 अक्टूबर तक आयोजित किया गया था।

गोवा में अदम्य-अक्षर का जलावतरण, तटरक्षक बलों की बढ़ेगी ताकत; स्वदेशी पोतों से खास जरूरतें पूरी होंगी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
गोवा। भारतीय तटरक्षक महानिदेशक (डीजी) परमेश शिवमणि की पत्नी प्रिया परमेश ने अथर्ववेद के श्लोकों के उच्चारण के बीच इन पोतों अदम्य और अक्षर का औपचारिक जलावतरण किया। जीएसएल के मुताबिक, अत्याधुनिक स्वदेशी गश्ती पोत तटरक्षक बल की विशिष्ट परिचालन जरूरतों को ध्यान में रखकर निर्मित किए गए हैं। महानिदेशक परमेश शिवमणि ने यह जलावतरण जीएसएल की जरूरत के अनुसार, ढलने की क्षमता और प्रतिभा को दर्शाता है, जिसे भारतीय उद्योग के साथ घनिष्ठ सहयोग से पूरा किया

तटरक्षक बल की विशिष्ट परिचालन जरूरतों को ध्यान में रखकर निर्मित किए गए हैं। गोवा शिपयार्ड लि. (जीएसएल) ने सोमवार को तीव्र गति के दो स्वदेशी गश्ती पोत (एफपीवी) अदम्य और अक्षर का जलावतरण किया। इन पोतों के शामिल होने से तटरक्षक बलों की ताकत और बढ़ेगी। इनका इस्तेमाल अपतटीय परिसंपत्तियों एवं द्वीप क्षेत्रों की सुरक्षा एवं निगरानी में किया जाएगा। भारतीय तटरक्षक महानिदेशक (डीजी) परमेश शिवमणि की पत्नी प्रिया परमेश ने अथर्ववेद के श्लोकों के उच्चारण के बीच इन पोतों अदम्य और अक्षर का औपचारिक जलावतरण किया। जीएसएल के मुताबिक, अत्याधुनिक स्वदेशी गया है। इन पोतों की स्वदेशी सामग्री आत्मनिर्भर भारत की पहल को भी गौरवपूर्ण तरीके से दर्शाती है। अदम्य और अक्षर की आधारशिला 25 अगस्त, 2023 को रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने ने रखी थी। 52 मीटर लंबाई और आठ मीटर चौड़ाई वाले ये पोत अपतटीय परिसंपत्तियों और द्वीपीय क्षेत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए निगरानी में बेहद उपयोगी साबित होंगे। जीएसएल भारतीय तटरक्षक बल के लिए आठ एफपीवी के बेड़े का निर्माण कर रहा है, जो रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को साकार करने में शिपयार्ड की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है।

साइबर अपराधियों ने हाईकोर्ट के यूट्यूब चैनल पर चलाई अश्लील वीडियो; सुनवाई के दौरान हैकिंग

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के बाद अब साइबर अपराधियों ने कलकत्ता हाईकोर्ट को निशाना बनाया है। लाइव-स्ट्रीमिंग के दौरान

साइबर अपराधियों ने हाईकोर्ट का यूट्यूब चैनल हैक कर लिया और उस पर अश्लील वीडियो चला दी। इसके चलते, हाईकोर्ट की लाइव-स्ट्रीमिंग को तुरंत रोकना पड़ा। इस मामले को लेकर कोलकाता पुलिस के साइबर अपराध विभाग में शिकायत दर्ज कराई गई है। साइबर अपराधियों ने सोमवार को कलकत्ता हाईकोर्ट का यूट्यूब चैनल हैक कर लिया। यह वाक्या तब हुआ, जब अवकाश पीठ एक मामले की सुनवाई कर रही थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, हाईकोर्ट के यूट्यूब चैनल पर एक अश्लील वीडियो प्रसारित किया गया, जिसके बाद हाईकोर्ट की लाइव स्ट्रीमिंग तुरंत रोक दी गई। खबरों के मुताबिक, कुछ देर के व्यवधान के बाद, एक अलग लिंक का उपयोग करके लाइव-स्ट्रीमिंग फिर से शुरू की गई। मामला सामने आने के बाद कोलकाता पुलिस के साइबर अपराध विभाग में शिकायत दर्ज कराई गई है। इसके अलावा, घटना कैसे हुई, इसकी जांच हाईकोर्ट की आईटी सेल कर रही है। इससे पहले, साइबर अपराधियों ने सुप्रीम कोर्ट का भी यूट्यूब चैनल हैक कर लिया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कलकत्ता हाईकोर्ट की आज सुबह अवकाश पीठ चल रही थी। कोर्ट नंबर सात में जस्टिस सुभेंदु सामंतर सुनवाई कर रहे थे।

देपसांग-डेमचोक से सैन्य वापसी पूरी होगी; भारत-चीन सीमा पर सेनाएं पहले की तरह करेंगी गश्त

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। रक्षा सूत्रों ने बताया कि चीन के साथ बनी सहमति के तहत पूर्वी लद्दाख में सैन्य वापसी

की प्रक्रिया अपने आखिरी चरण में पहुंच गई है। दोनों देशों की सेनाएं पीछे हट रही हैं और अस्थायी शिविरों को ध्वस्त किया जा रहा है। यह प्रक्रिया आज पूरी हो जाएगी। इसके बाद माह के अंत तक एलएसी पर गश्त की व्यवस्था शुरू कर दी जाएगा गलवां संघर्ष के बाद कायम गतिरोध तोड़ने के लिए भारत-चीन के बीच हुए समझौते के तहत एलएसी पर अस्थायी सैन्य शिविरों को तोड़ने का काम अंतिम चरण में पहुंच गया है। दो प्रमुख बिंदुओं देपसांग और डेमचोक पर दोनों देशों की सेनाओं के पीछे हटने का काम मंगलवार को पूरा हो जाएगा। इसके बाद दोनों देशों की गश्त की पुरानी व्यवस्था बहाल हो जाएगी। रक्षा सूत्रों ने बताया कि चीन के साथ बनी सहमति के तहत पूर्वी लद्दाख में सैन्य वापसी की प्रक्रिया अपने आखिरी चरण में पहुंच गई है। दोनों देशों की सेनाएं पीछे हट रही हैं और अस्थायी शिविरों को ध्वस्त किया जा रहा है। यह प्रक्रिया 29 अक्तूबर की तय समयसीमा में पूरी हो जाएगी। इसके बाद माह के अंत तक एलएसी पर गश्त की व्यवस्था शुरू कर दी जाएगी।सूत्रों के मुताबिक, एलएसी पर टकराव वाले दो प्रमुख बिंदुओं देपसांग और डेमचोक में ऐसे सभी अस्थायी शिविर तोड़े जा रहे हैं जो 2020 में गतिरोध शुरू होने के बाद पिछले चार वर्षों के दौरान बनाए गए थे। इसमें ऐसे सभी अस्थायी ठिकाने शामिल हैं, जिन्हें सैनिकों के रहने के अलावा सैन्य उपकरण और वाहन रखने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा था। 29 अक्तूबर को यह काम पूरा होने के बाद दोनों पक्षों की तरफ से इसकी पुष्टि की जाएगी। इसके साथ ही दोनों देश इन क्षेत्रों में तनाव दूर कर लिए जाने की आधिकारिक पुष्टि करेंगे।

एमवीए में सीट बंटवारे का फॉर्मूला ध्वस्त, कई सीटों पर कांग्रेस-शिवसेना ने उतारे प्रत्याशी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली/मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए एमवीए के तीनों घटक दलों के लिए बराबर सीटों के फॉर्मूले की घोषणा कर दी गई है, लेकिन एक-एक सीट

को लेकर खींचतान अब भी जारी है। वहीं, कांग्रेस ने समान सीट के फॉर्मूले को दरकिनार कर दिया है। कई सीटों पर शिवसेना (यूबीटी) और कांग्रेस के प्रत्याशी आमने-सामने हैं।महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के लिए विपक्षी गठबंधन महाविकास आघाड़ी (एमवीए) में एक समान सीटों के बंटवारे पर तालमेल नहीं बन पा रहा है। भले ही तीनों घटक दलों के लिए बराबर सीटों के फॉर्मूले की घोषणा कर दी गई है, लेकिन एक-एक सीट को लेकर खींचतान अब भी जारी है। वहीं, कांग्रेस ने समान सीट के फॉर्मूले को दरकिनार कर दिया है। कई सीटों पर शिवसेना (यूबीटी) और कांग्रेस के प्रत्याशी आमने-सामने हैं। मंगलवार को नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख है, लेकिन समान सीटों के बंटवारे के फॉर्मूले पर अमल होता नहीं दिख रहा है। उद्धव की शिवसेना और कांग्रेस दोनों ने कई सीटों पर अपने उम्मीदवार उतार दिए हैं। यवतमाल जिले दिग्रस सीट पर उद्धव ठाकरे की शिवसेना ने पवन जायसवाल को उतारा है, तो कांग्रेस ने पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष माणिकराव ठाकरे की उम्मीदवारी घोषित कर दी है। ठाकरे 20 साल बाद विधानसभा चुनाव में उतरे हैं।हालांकि, शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने सोमवार को स्पष्ट किया कि कांग्रेस नेता बालासाहेब थोराट से बातचीत के बाद दिग्रस की सीट हमने कांग्रेस के लिए छोड़ दी है, लेकिन सोलापुर दक्षिण में भी कांग्रेस और शिवसेना (यूबीटी) ने अपने-अपने प्रत्याशी मैदान में उतारे है लोकसभा चुनाव की तर्ज पर शिवसेना (यूबीटी) सर्वाधिक सीटों पर चुनाव लड़ने की फिराक में थी। इसलिए हरियाणा चुनाव नतीजे का हवाला देकर कांग्रेस पर दबाव बनाया था, लेकिन अब कांग्रेस ने 99 सीटों पर उम्मीदवार घोषित कर बड़े भाई की भूमिका में आ गई है। चर्चा है कि राज्य की कुल 288 सीटों में से कांग्रेस 102 या 103 पर चुनाव लड़ेगी, जबकि शिवसेना (यूबीटी) 95, एनसीपी (एसपी) 84 पर लड़ेगी और अन्य सहयोगियों को 6-7 सीटें मिलने की संभावना है। सोलापुर दक्षिण सीट पर शिवसेना (यूबीटी) और कांग्रेस के बीच तनातनी शुरू हो गई है। उद्धव की पार्टी ने यहां से अमर पाटिल को उम्मीदवार बनाया था और एबी फार्म भी दे दिया है। वहीं, रविवार रात कांग्रेस ने इस सीट पर दिलीप माने को खड़ा कर दिया। इसको लेकर संजय राउत ने कहा कि यह कांग्रेस की सूची में छपाई की गलती हो सकता है, ऐसा हमसे भी हो सकता है। वहीं, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा कि यह निर्णय पार्टी हाईकमान का है छपाई की कोई गलती नहीं है नई दिल्ली/मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने सोमवार को 25 और उम्मीदवारों की तीसरी सूची जारी कर दी। चुनाव में भाजपा अब तक 146 सीटों पर तो सत्तारूढ़ गठबंधन महायुति अब तक 260 सीटों पर उम्मीदवार घोषित कर चुका है। इनमें शिवसेना शिंदे के 65 और एनसीपी अजित के 49 उम्मीदवार शामिल हैं।

अमेरिका में ऐसे लोग हैं जो वैध आव्रजन प्रतिबंधित करना चाहते', राष्ट्रपति बाइडन की सलाहकार का ट्रंप पर तंज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। नीरा टंडन ने कहा कि बस इतना कहूंगी की आव्रजन के बारे में बहुत बातचीत हो रही है। दोनों लोग, हमारा प्रशासन और अन्य हमारी सीमाओं को सुरक्षित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। मगर, कानूनी आव्रजन के मुद्दे पर देश के नेताओं के बीच एक बड़ा मतभेद है। अमेरिकी राष्ट्रपति की घरेलू नीति सलाहकार नीरा टंडन ने उन राजनीतिक समूहों की आलोचना की है जो एशियाई देशों और दुनिया के अन्य हिस्सों से वैध प्रवासन को प्रतिबंधित करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि निर्वासन की उनकी नीति कई बार उन लोगों और प्रियजनों को प्रभावित करेगी जो कानूनी रूप से अमेरिका में प्रवास कर गए हैं। टंडन ने कहा, 'मैं बस इतना कहूंगी की आव्रजन के बारे में बहुत बातचीत हो रही है। दोनों लोग, हमारा प्रशासन और अन्य हमारी सीमाओं को सुरक्षित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। मगर, कानूनी आव्रजन के मुद्दे पर देश के नेताओं के बीच एक बड़ा मतभेद है। हमारा समुदाय कुछ हद तक इसलिए बढ़ा है क्योंकि इस देश ने कानूनी आव्रजन के विस्तार को महत्वपूर्ण माना है।'उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों पर कटाक्ष करते हुए कहा, 'यह एक बड़ा अंतर है। ऐसे लोग हैं जो

वैध आव्रजन को प्रतिबंधित करना चाहते हैं, विशेष रूप से एशिया और दुनिया के अन्य हिस्सों से। यह एक ऐसा मुद्दा है जो वास्तव में दांव पर है। मुझे नहीं लगता कि इस बारे में पर्याप्त चर्चा हुई है। जबकि मौजूदा प्रशासन दस्तावेज पाने का सपना देखने वालों के लिए समर्थन बढ़ाने पर केंद्रित रहा है।' उन्होंने आगे कहा, 'हमें और भी काम करने की जरूरत है। हमें यह भी सुनिश्चित करने की जरूरत है कि अगर हम सामूहिक निर्वासन के बारे में बात कर रहे हैं, तो इसमें मिश्रित-स्थिति वाले परिवार भी शामिल होंगे। हालांकि, इसका मतलब यह भी हो सकता है कि हम वास्तव में कानूनी आव्रजन पर प्रतिबंध देख सकते हैं।' अमेरिकी राष्ट्रपति की घरेलू नीति सलाहकार ने कहा, 'इसलिए राष्ट्रपति की और वास्तव में सबसे महत्वपूर्ण बात उपराष्ट्रपति की सीमा विधेयक योजना में कानूनी आव्रजन का विस्तार करने और विशेष रूप से दस्तावेज पाने का सपना देखने वालों को सहायता प्रदान करने का प्रावधान था। मगर दुर्भाग्य से इस विधेयक को रिपब्लिकन द्वारा खारिज कर दिया गया था क्योंकि तब नामांकित डोनाल्ड ट्रंप ने उन्हें इसके खिलाफ वोट करने के लिए कहा था।' यह पूछे जाने पर कि कानूनी आव्रजन पर ट्रंप की नीतियां भारतीय अमेरिकियों को कैसे प्रभावित करेंगी, उन्होंने कहा, 'मैं वास्तव में राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के बारे में बात करने के लिए यहां नहीं हूं, लेकिन मैं यह कहूंगी कि आप अपने पहले प्रशासन में ट्रंप द्वारा प्रस्तावित प्रस्ताव को देखें। उन्होंने यह सुनिश्चित करने का प्रस्ताव रखा कि हम एशिया के देशों से कानूनी आव्रजन तक पहुंच को प्रतिबंधित करेंगे और यूरोप के देशों में इसका विस्तार करेंगे या इसे वैसा ही रखेंगे।' सलाहकार ने आगे कहा कि उन्होंने वास्तव में विशेष रूप से भारत से प्रतिबंधों को देखा और नाटकीय रूप से संख्या कम कर दी। वह ऐसा करने में सक्षम नहीं था क्योंकि संसद और सीनेट में डेमोक्रेट थे। टंडन ने कहा कि लेकिन अगर वे सरकार की तीनों शाखाओं पर आ जाते हैं और आव्रजन पर उनकी बयानबाजी अधिक आक्रामक रही है, तो यह एक वास्तविक चुनौती है।

ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन ने तोड़े रिकॉर्ड, दशकों तक बढ़ा रहेगा तापमान; लंबे समय तक झेलना पड़ेगा असर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) की सालाना ग्रीनहाउस गैस बुलेटिन के मुताबिक, अब धरती पर कार्बन डाइऑक्साइड (सीओ-2) औद्योगिक क्रांति से पहले के स्तर से 151 फीसदी अधिक है। अन्य ग्रीनहाउस गैसों, जैसे मीथेन और नाइट्रस ऑक्साइड में भी काफी बढ़ोतरी हुई है। यह

के स्तर से 151 फीसदी अधिक है। अन्य ग्रीनहाउस गैसों, जैसे मीथेन और नाइट्रस ऑक्साइड में भी काफी बढ़ोतरी हुई है। 2023 में ग्रीनहाउस गैसों का स्तर रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया है, जो बीते दो दशकों में सबसे अधिक है। इसमें महज 20 साल में 10 फीसदी से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) की सालाना ग्रीनहाउस गैस बुलेटिन के मुताबिक, बढ़ोतरी मुख्य रूप से जंगलों में आग, जंगलों के कम कार्बन अवशोषण और उद्योगों के अधिक जीवाश्म ईंधन इस्तेमाल करने की वजह से हुई है। डब्ल्यूएमओ के मुताबिक, मानव गतिविधियों ने ग्रीनहाउस गैसों के स्तर को काफी बढ़ा दिया है,जिससे जलवायु परिवर्तन हो रहा है। दुनिया में 2023 में हवा में कार्बन डाइऑक्साइड का औसत स्तर 420 प्रति मिलियन भाग (पीपीएम) तक पहुंच गया।

तेलंगाना में आठ करोड़ की संपत्ति के लिए पति की हत्या, 840की0 दूर कर्नाटक जाकर शव को ठिकाने लगाया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
तेलंगाना। पुलिस के अनुसार, शव तेलंगाना के व्यवसायी रमेश (54) का है, जो कुछ हफ्ते पहले लापता हो गए थे। जांच में पता चला है कि रमेश की 8 करोड़ रुपये की संपत्ति हड़पने के लिए उसकी पत्नी निहारिका पी (29) ने उसका कत्ल किया था। इस काम में निहारिक के प्रेमी निखिल और एक पशु चिकित्सक अंकुर भी शामिल हैं। उन्होंने हत्या

संपत्ति हड़पने के लिए उसकी पत्नी निहारिका पी (29) ने उसका कत्ल किया था तेलंगाना में आठ करोड़ रुपये की संपत्ति हड़पने के लिए पति की हत्या कर शव को 840 किमी दूर कर्नाटक ले जाकर ठिकाने लगाने का मामला सामने आया है। तीन सप्ताह पहले कॉफी बागान में मिले अज्ञात जले हुए शव की गुत्थी को सुलझाते हुए पुलिस ने यह दावा किया है पुलिस के अनुसार, शव तेलंगाना के व्यवसायी रमेश (54) का है, जो कुछ हफ्ते पहले लापता हो गए थे। जांच में पता चला है कि रमेश करने के बाद शव को 840 किलोमीटर दूर कर्नाटक के कोडागु जिले में जलाया। तीनों को गिरफ्तार कर लिया गया है।निहारिका तेलंगाना के मोंगेर नगर की रहने वाली है। उसने इंजीनियरिंग में ग्रेजुएशन किया था और कई कंपनियों में काम किया था। निहारिका की पहली शादी कम उम्र में हो गई थी, लेकिन बाद में उसका तलाक हो गया। पुलिस ने कहा कि निहारिका ने अपने छात्र जीवन में कई शैक्षणिक उपलब्धियां हासिल की थीं।

मिर्ज़ापुर सोनभद्र

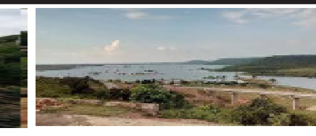

सुखराम सिंह मॉर्डन पब्लिक स्कूल मधुपुर सोनभद्र में सोमवार को दीवाली व दीपदान के उपलक्ष्य में रंगोली

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में पलक मौर्या, अंकिता, साक्षी, प्रानशी, स्वीता, नीतू, श्रद्धा, दीपा, सुमेधा, स्नेहा इत्यादि छात्राओं ने राम सीता, महात्मा गौतम बुद्ध, टाटा रतन, राधा कृष्ण, स्वर की देवी सरस्वती, राम मंदिर, स्वच्छ भारत, लड़ाकू विमान, मोर, आदि का रंगोली बनाकर प्रतिभाग किया। रंगोली की थीम का मुख्य उद्देश्य रतन टाटा को याद करना था। छात्र-छात्राओं ने रंगोली के माध्यम से देश के मशहूर उद्योगपति और देश के कोहिनूर रतन जहांगीर भाई टाटा को याद किया। विद्यालय की छाञाओ ने रतन टाटा को याद करते हुए कहा की रतन टाटा एक दूरदर्शी कारोबारी नेता थे। वे दयालु मनवाले और आसाधारण इंसान थे। भारत ने एक महान इंसान को खो दिया टाटा सर के दूरदर्शी नेतृत्व, उनकी करुणा और परोपकर के प्रति अटूट प्रतिबद्धता ने हमारे देश और दुनिया पर अमिट छाप छोड़ी है। उनकी विरासत हम सभी को प्रेरणा देती रहेगी। हिन्दुस्तान का अभिमान देश का गौरव और सम्मान का नाम है रतन टाटा। रंगोली के माध्यम से छात्राओं के रचनात्मक विकास के साथ- साथ उनमे छिपि प्रतिभाओं को भी निखारा जाता है। इस प्रकार के आयोजन से छात्र-छात्राओं की क्रियाशिलता तथा एकाग्रता एवं मीलकर कार्य करने की क्षमता का विकास होता है। जिसमें स्कूल के बच्चों ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया। बच्चों के द्वारा बनाई गई। रंगोली व दिया की सभी ने प्रशसा कि, जिसमें टैगोर हाउस, दयानंद हाउस, महात्मा हाउस व विवेकानंद

हाउस तीन ग्रुप में रंगोली प्रतियोगिता संपन्न हुआ। जिसमें कक्षा 3 से 10 वीं तक के बच्चों ने रंगोली बनाई। सभी ग्रुप के बच्चों ने उत्तम रंगोली बनाकर सबका मनमोह लिया। स्कूल के प्रबंधक शिवपूजन सिंह मौर्य ने सभी बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना के साथ ही दीवाली की बधाई दी। इस दौरान निरीक्षक, अजय कुमार मौर्य प्रवक्ता नवोदय विद्यालय, व सिद्धान्त वर्धन अखंड भारत चैरिटेबल ट्रस्ट प्रदेश प्रवक्ता, मोस्ट इंग्लिश स्पीकर, प्रिंसिपल अशोक कुमार सिंह, उप प्रिंसिपल अखिलेश कुमार मौर्य, सहित, विद्यालय के अध्यापक आलोक रंजन सिंह, अनिता प्रजापति, आलोक रंजन, धीरज मौर्य, राजबहादुर सिंह, संजय यादव, सुधा मौर्या, अनिल सिंह, प्रकाश पठारी, सच्चिदानंद, प्रिया मौर्या, प्रियंका सिंह, प्रिया कुमारी, जीतू सिंह चौहान, रश्मिकांत वर्मा, कविता मौर्या, सरोज मौर्या, सपना विश्वकर्मा, ओमप्रकाश, नीलू पाल, पूजा तिवारी, मुस्कान केशरी, मोहिनी केशरी, आनंद कुमार मौर्य, सुमित्रा सहित,पत्रकार, जितेन्द्र कुमार मौर्य, बृजेश कुमार सिंह, विशाल सिंह, अनिल कुमार उपस्थित रहे। विद्यालय के प्रबंधक श्री शिवपूजन सिंह द्वारा निरीक्षक व पत्रकार बंधुओं को अंगवस्त्र व मिष्ठान देकर सम्मान पूर्वक विदा किया।

चौकी इंचार्ज को अचानक बिस्तर पर बेचैन देख अस्पताल ले गया साथी, तोड़ा दम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। सोनभद्र जिले के बीना चौकी इंचार्ज को बिस्तर पर बेचैन देख आवास में साथ रहने वाले सत्येंद्र सिंह ने पुलिसकर्मियों को सूचना देने के साथ ही उन्हें अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉ. ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सोनभद्र जिले के बीना चौकी इंचार्ज की मंगलवार सुबह अचानक मौत उनको बेचैन देखा तो चौकी के पुलिस कर्मियों को सूचना दी। इसके बाद संजय सिंह को आवासीय परिसर में स्थित अटल अस्पताल पहुंचाया गया। जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर बीना महाप्रबंधक इंद्रजीत सिंह, शक्तिनगर प्रभारी निरीक्षक कुमुद शेखर सिंह, रेणुसागर चौकी

हो गई। इसकी जानकारी मिलते ही महकमे में खलबली मच गई। सूचना पर कई पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए। हृदयाघात को मौत की वजह माना जा रहा है। चौकी इंचार्ज संजय सिंह (50) एनसीएल बीना के कालोनी परिसर में स्थित बी टाइप आवास में रहते थे। आवास में साथ रहने वाले सत्येंद्र सिंह ने सुबह बिस्तर पर इंचार्ज राजेश सिंह, सहित भारी संख्या में पुलिस कर्मियों के साथ पंहुचकर दुख व्यक्त किया। पुलिस ने शव को शक्तिनगर मोर्चरी में रखवा दिया और परिजनों को सूचित किया। शक्तिनगर के प्रभारी निरीक्षक कुमुद शेखर सिंह ने बताया कि संजय सिंह मूल रूप से बलिया के रहने वाले थे। परिवार के लोग वाराणसी में रहते हैं, वे शक्तिनगर के लिए निकल चुके हैं।

अब बायोमेट्रिक प्रक्रिया से मिलेगी छात्रवृत्ति, रुकेगा फर्जीवाड़ा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। फर्जीवाड़ा कर छात्रवृत्ति लेना अब मुश्किल होगा। फर्जीवाड़ा रोकने के लिए शासन स्तर से बायोमेट्रिक प्रक्रिया शुरू की गई है। नई व्यवस्था के तहत अब छात्रों को स्कूल में आकर अंगूठे का निशान

देना होगा, इसके बाद ही नियमानुसार उन्हें छात्रवृत्ति मिलेगी। समाज कल्याण विभाग में बायोमेट्रिक मशीन पर अंगूठे का निशान लेने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसके लिए स्कूल, कॉलेज के लोग पहुंच रहे हैं। जिला समाज कल्याण अधिकारी रमाशंकर यादव ने बताया कि शासन की तरफ से 9वीं कक्षा से लेकर ग्रेजुएशन तक के छात्रों को छात्रवृत्ति और शुल्क प्रतिपूर्ति दी जाती है। पहले स्कूल-कॉलेज में छात्र एडमिशन लेने के बाद छात्रवृत्ति लेने के लिए ऑनलाइन प्रक्रिया पूरी करते थे। इसके बाद स्कूल-कॉलेज से ऑनलाइन जांच के लिए लखनऊ जाती थी। इसके बाद समाज कल्याण विभाग के पास आती थी। इसके बाद कार्यालय से भुगतान दे दिया जाता था। इस प्रक्रिया में प्रदेश के कई जनपदों में गड़बड़ी पाई गई थी। फर्जीवाड़ा रोकने के लिए शासन की तरफ से बायोमेट्रिक मशीन का सहारा लिया जा रहा है। नई व्यवस्था के तहत अब छात्रवृत्ति लेने के लिए पहले स्कूल-कॉलेज के प्रधानाचार्य, प्राचार्य को छात्रवृत्ति नोडल अधिकारी को छात्रवृत्ति के पोर्टल पर अंगूठे के निशान देने होंगे। यही वेब पोर्टल स्कूल-कॉलेज में प्राचार्य और नोडल अधिकारी के अंगूठे के निशान से खुलेगा। इसके बाद वे अपने स्कूल-कॉलेज के सभी छात्रों के अंगूठे के निशान लेंगे। जांच के बाद डाटा लखनऊ जाएगा। इसके बाद जिला समाज कल्याण अधिकारी को छात्रवृत्ति देने के आदेश दिए जाएंगे। अंगूठे के निशान का एडमिशन रजिस्टर से मिलान किया जाएगा। इससे फर्जीवाड़ा नहीं हो सकेगा।जिला समाज कल्याण अधिकारी ने बताया कि अनुसूचित जाति के छात्रों के परिवार के मुखिया की आय ढाई लाख सालाना से अधिक नहीं होनी चाहिए। सामान्य छात्रों के परिवार के मुखिया की आय दो लाख से अधिक नहीं होनी चाहिए, तभी छात्रवृत्ति का लाभ मिल सकेगा।

मोबाइल फोन पर बात करने को लेकर थी अनबन, डेढ़ साल बाद साथ रहने को राजी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मिर्जापुर। शादी के साढ़े तीन साल बाद पत्नी द्वारा किसी और से मोबाइल फोन पर बात करने को लेकर पति से अनबन हो गई। इसके बाद दंपती अलग रहने लगे। विवार को दोनों परिवार परामर्श केंद्र पहुंचे। जहां दंपती व परिवार के सदस्यों से बात की गई। काउंसिलिंग के बाद दोनों में बात कराकर साथ रहने के लिए राजी किया गया। इसके बाद दंपती साथ रहने के लिए रवाना हुए। शादी के साढ़े तीन साल बाद पत्नी द्वारा किसी और से मोबाइल फोन पर बात करने को लेकर पति से अनबन हो गई। इसके बाद दंपती अलग रहने लगे। दोनों से एक पुत्र और एक पुत्री हैं। दोनों मां के साथ रहने लगे। अनबन के चलते पति बच्चों से भी किसी तरह मिल पाता था। दंपती डेढ़ साल तक अलग रहे। दोनों का मामला परिवार परामर्श केंद्र में पहुंचा। रविवार को दंपती व परिवार के सदस्यों से बात की गई। काउंसिलिंग के बाद दोनों को साथ रहने के लिए राजी किया गया। इसके बाद दंपती साथ रहने के लिए रवाना हुए। इसके अलावा परिवार परामर्श केंद्र में विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए नौ दंपती को काउंसिलिंग के बाद साथ रहने के लिए राजी किया गया। दंपती विभिन्न कारणों से अलग-अलग रह रहे थे। इस दौरान परिवार परामर्श केंद्र की प्रभारी उप निरीक्षक रीता यादव, शशि तिवारी, ममता तिवारी, सावित्री यादव, सपना, सुनीता देव आदि मौजूद रहीं।

अब आवास के लिए 1.30 लाख की जगह मिलेंगे 1.20 लाख रुपये

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। विंध्य क्षेत्र यानी सोनभद्र और मिर्जापुर जनपद के आवास के नए लाभार्थियों को अब पक्का मकान बनाने के लिए 1.20 लाख रुपये ही मिलेंगे। अभी तक विंध्य क्षेत्र के लाभार्थियों को 1.30 लाख रुपये मिलते थे। शासन की तरफ से यह निर्णय लिया गया है। शासन की ओर से प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना तथा मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत दूसरे जनपदों के पात्रों को आवास निर्माण के लिए 1.20 लाख रुपये दिए जाते हैं।मगर विंध्य क्षेत्र एवं बुंदेलखंड के पठारी क्षेत्र होने के नाते यहां के लाभार्थियों को आवास निर्माण के लिए 10 हजार रुपये अधिक मिलते थे। इस तरह विंध्य क्षेत्र (सोनभद्र और मिर्जापुर) के लाभार्थियों को आवास निर्माण के लिए 1.30 लाख रुपये मिलते थे। मगर अब शासन की तरफ से 10 हजार रुपये की कटौती कर दी गई है। शासन का मानना है कि पठारी क्षेत्रों में निवास कर रहे शत प्रतिशत गरीब जो पात्र थे, उनका पक्का आवास बन चुका है। अब समतल एरिया में निवास कर रहे गरीबों का आवास बनना है। ऐसे में अतिरिक्त धनराशि की कटौती की गई है। शासन के इस आदेश से विंध्य क्षेत्र के आवास के लाभार्थियों में मायूसी देखी जा रही है।439 अल्पसंख्यकों को मिला पीएम आवास चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 में अभी तक प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत

जनपद सोनभद्र के 439 अल्पसंख्यकों को पक्का आवास आवंटित हुआ है। इसी तरह 3304 लाभार्थियों को मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत आवास आवंटित हुआ है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार इन लाभार्थियों को 1.30 लाख रुपये प्रति आवास मिले हैं। इसके बाद जिन लाभार्थियों का चयन दोनों योजनाओं में होगा, उन्हें सिर्फ 1.20 लाख रुपये ही आवास निर्माण के लिए मिलेंगे।विंध्य क्षेत्र एवं बुंदेलखंड का भौगोगिक क्षेत्र पठारी है। इस नाते यहां के लाभार्थियों को आवास निर्माण के लिए 10 हजार रुपये अधिक यानी 1.30 लाख रुपये मिलते थे। शासन ने अब 10 हजार रुपये की कटौती की है। अब नए लाभार्थियों को आवास बनाने के लिए 1.20 लाख रुपये ही मिलेंगे।

छह करोड़ से मिर्चाधुरी रेलवे स्टेशन के पास बनेगा अंडरपास

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। चोपन-सिंगरौली रेलमार्ग स्थित मिर्चाधुरी रेलवे स्टेशन के पास करीब छह करोड़ की लागत से रेलवे अंडरपास का निर्माण कराया जाएगा। रेलवे बोर्ड से निर्माण के लिए स्वीकृति मिल गई है। इसके लिए धनराशि भी जारी हो गई है। इसकी जानकारी केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी के रेल प्रतिनिधि श्रीकृष्ण गौतम ने दी। उन्होंने बताया कि 19 जनवरी 2024 को धनबाद रेल मंडल सांसद बैठक में मिर्चाधुरी रेलवे स्टेशन के समीप (खंभा संख्या 168/4) के पास अंडरपास बनाए जाने का प्रस्ताव दिया था। इस पर धनबाद रेल मंडल ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में निर्माण कराए जाने का लिखित आश्वासन दिया था। पिछले माह

13 सितंबर को हाजीपुर (बिहार) स्थित पूर्व मध्य रेलवे कार्यालय में अपर महाप्रबंधक अमरेंद्र कुमार से भी मुलाकात के दौरान अंडरपास निर्माण की मांग रखी थी। धनबाद रेल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक कमल किशोर सिन्हा ने गौतम को लिखित में सूचित किया है कि कार्य का प्रस्ताव मुख्यालय को भेजा गया था, जिसकी स्वीकृति हो गई है। 15 दिन पहले बजट भी मिल गया है। उन्होंने बताया कि करीब छह करोड़ रुपये की लागत से मिर्चाधुरी रेलवे स्टेशन के पास अंडरपास का निर्माण कराया जाएगा। इसका प्रस्ताव बनाकर हाजीपुर जोन को भेजा जा रहा है। अंडरपास निर्माण की स्वीकृति मिलने पर क्षेत्र के गौरीशंकर तिवारी, अनिल, नीरज, बसंती देवी, राजकुमार आदि ग्रामीणों ने खुशी जाहिर की है।

5जी नेटवर्क के उपकरण चोरी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के आठ गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मिर्जापुर। लालगंज पुलिस ने 5जी नेटवर्क से संबंधित उपकरण चोरी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के

आठ सदस्यों को शनिवार को देर शाम बस्तरा पांडेय मोड़ से गिरफ्तार किया। पुलिस ने उनके पास से 5जी नेटवर्क से संबंधित उपकरण, घटना में प्रयुक्त बाइक और तमंचा बरामद किया। यह जानकारी पुलिस अधीक्षक अभिनंदन ने रविवार को पुलिस लाइन सभागार में पत्रकारों से बातचीत के दौरान दी। उन्होंने बताया कि गाजीपुर के सैदपुर थाना क्षेत्र निवासी प्रदीप कुमार श्रीवास्तव ने 12 अक्तूबर को लालगंज थाने में तहरीर देकर बताया कि इंडस टॉवर में लगे जियो 5जी के इलेक्ट्रानिक उपकरण चोरी हो गए हैं। पुलिस मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश में जुट गई। इस बीच लालगंज पुलिस और एसओजी टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि 5जी टॉवर के उपकरण चोरी करने वाले गिरोह के सदस्य बस्तरा पांडेय मोड़ के पास मौजूद हैं। घेरेबंदी कर पुलिस ने संदीप पटेल निवासी ग्राम जमुहरा थाना संतनगर, राम बाबू उर्फ विक्की पटेल निवासी ग्राम जमुहरा थाना संतनगर, रामराज पटेल निवासी ग्राम जमुहरा, सोहन लाल उर्फ सोनू यादव निवासी ग्राम जमुहरा, सतीश उर्फ बुल्लू पटेल निवासी ग्राम जमुहरा, योगेश चंद निवासी ग्राम जमुहरा, कमलेश पटेल निवासी ग्राम सरैया कमरहटा थाना पड़री व मनोज कुमार निवासी ग्राम ओबराडीह थाना संतनगर को गिरफ्तार किया गया। पकड़े गए लोगों के पास से 5जी नेटवर्क से संबंधित उपकरण, छह माड्यूल सिस्टम, सिपरी केबल व चोरी के सामानों की बिक्री के 10 हजार रुपये, सात मोबाइल फोन, चार बाइक, दो तमंचा, कारतूस आदि बरामद हुए। बिना नंबर प्लेट के वाहन सीज किए गए। पुलिस अधीक्षक अभिनंदन ने बताया कि पूछताछ में आरोपियों ने बताया उनका संगठित गिरोह है, जो 5जी नेटवर्क टॉवरों से 5जी नेटवर्क में प्रयुक्त उपकरणों की चोरी कर पार्सल पैक कर प्राइवेट बस के माध्यम से नागपुर, महाराष्ट्र अपने अन्य साथियों को भेज देते हैं। गूगल पे के माध्यम से अपने खातों में पैसे मंगाकर आपस में बांट लेते हैं। घटना में प्रयुक्त बाइक चोरी के पैसे से ही खरीदी गई है। मिर्जापुर, सोनभद्र, वाराणसी, चंदौली, प्रयागराज में 50 से ज्यादा चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया गया है। उन्होंने बताया कि मिर्जापुर, प्रयागराज व चंदौली में दर्ज 13 मामलों का पूछताछ में खुलासा किया।

गमला बनाकर बढ़ाती थी आय अब हाथों को नहीं मिल रहा काम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। जिले में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के हाथों को काम नहीं मिल रहा है। जो महिलाएं पहले गमला बनाकर अपनी आय बढ़ाती थीं, वे अब तंगी झेलने को विवश हैं। समूह की कई महिलाएं मजदूरी कर परिवार का भरण पोषण न छापने के शर्त पर समूह की महिलाओं ने बताया कि तीन साल पहले चोपन में संचालित गोशाला में गोबर से गमला बनाने का काम शुरू किया था। आरएलएम की तरफ से मशीन महिलाओं को उपलब्ध कराई गई थी। इस काम से कुल 25 महिलाएं जुड़ी थीं। लगभग एक का काम नहीं हो रहा है।कलेक्ट्रेट जाने वाले रास्ते स्वागत द्वार पर स्थित विश्राम स्थल को समूह की महिलाओं को कैंटीन खोलने के लिए अलाट किया गया है। यहां कैंटीन के साथ ही अन्य सुविधा मुहैया कराई जानी थी मगर करीब एक माह से यहां ताला लटक रहा है।

कर रही हैं। अन्य महिलाएं स्वरोजगार से जुड़ा दूसरा काम कर रही हैं। वहीं एनआरएलएम के अधिकारी हर महिला को काम देने का दावा कर रहे हैं। सोनांचल में कुल एक लाख 59 हजार महिलाएं स्वयं सहायता समूह से जुड़ी हैं। जिले में 16010 महिला समूह संचालित हैं। इन समूहों से जुड़ी महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने पर शासन का जोर है। समूह से जुड़ी बड़ी संख्या में महिलाओं को काम नहीं मिल रहा है। चोपन में समूह से जुड़ी महिलाएं मजदूरी करने को विवश हैं। नाम साल गमला बनाने के बाद घाटा होते देख काम बंद हो गया। इस काम से जुड़ी कुछ महिलाओं को छोड़कर अन्य महिलाएं बेरोजगार हो गई हैं। समूह से जुड़ी महिलाएं मजदूरी करने को विवश हैं। महिलाओं को कोई दूसरा काम नहीं मिल रहा है।यह सिर्फ बानगी भर है। इसी तरह से अन्य क्षेत्र में समूह से जुड़ी महिलाओं को काम नहीं मिल रहा है। करीब तीस फीसदी महिलाओं को काम नहीं मिल पा रहा है। समूह की महिलाओं की मानें तो मशीन को अगोरी गांव भेज दिया गया है, वहां भी गमला बनाने शुरू में इसका संचालन अच्छा हो रहा था। वहीं कलेक्ट्रेट परिसर एवं विकास भवन परिसर में कैंटीन का संचालन बेहतर तरीके से हो रहा है। इस संबंध में समूह की महिला संजू कुशवाहा का कहना है कि बिजली कनेक्शन कराने के बाद कैंटीन का संचालन किया जाएगा।चोपन में गोबर से गमला बनाने का काम दो साल पहले चल रहा था। बाजार में मांग नहीं होने की वजह से गमला बनाने का काम बंद हो गया है। समूह से जुड़ी महिलाएं मुर्गी पालन व अन्य दूसरा काम कर रही हैं।

फेरी लगाकर बेचते थे कपड़े छीन ले जाते थे मोबाइल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। भीड़ वाले इलाकों से मोबाइल चोरी करने वाले बड़े गिरोह का पुलिस ने पर्दाफाश किया है। एक बाल अपचारी समेत गिरोह के छह सदस्यों को पकड़ा है। इनके कब्जे से 60 मल्टी मीडिया मोबाइल फोन बरामद किए गए। सभी आरोपी झारखंड के रहने वाले हैं। वे किराये के मकान में रहते थे। फेरी लगाकर कपड़ा बेचने के दौरान मोबाइल छीनकर या चोरी कर भाग जाते थे। बरामद मोबाइल फोन की कीमत करीब 12 लाख रुपये है। पुलिस लाइन में एएसपी कालू सिंह ने बताया कि 24 अक्तूबर की शाम बीना कॉलोनी निवासी भोकलो दास और हीरालाल गुप्ता से चार युवकों ने बीना मार्केट में मोबाइल छीन लिया। फिर फरार हो गए। केस दर्ज कर पुलिस जांच में जुटी थी। एसपी ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित की थी। सोमवार की सुबह सूचना पर शक्तिनगर पुलिस ने संडे मार्केट के पास से छह संदिग्धों को पकड़ा।

आरोग्य मेले में सर्दी-जुकाम के मरीजों की भरमार रही

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र/केकराही/सलखन/बभनी। जिले में संचालित स्वास्थ्य केंद्रों पर रविवार को मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। इसमें मरीजों का उपचार किया गया। राबर्ट्सगंज नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के डॉ.जेपी सिंह ने बताया कि मौसम में बदलाव होने से सर्दी-जुकाम, पेट दर्द, बुखार के 29 मरीज आए, जिनका उपचार किया गया। इस मौके पर प्रह्लाद, मनोज राठौर, कृष्णकांत चौबे आदि रहे। केकराही स्वास्थ्य केंद्र में 10 मरीजों का उपचार किया गया। डॉ.राकेश कुमार मौर्य ने बताया कि मेले में ज्यादातर लोग सर्दी जुकाम बुखार के ही मरीज आ रहे हैं। सलखन

स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में 74 मरीजों का उपचार किया गया। इस मौके पर कर्मचारी उपस्थित रहे। बभनी ब्लॉक के घघरी गांव में एकल अभियान के तहत स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। ग्राम प्रधान कृष्णानंद सोनी ने शिविर का शुभारंभ किया। यहां डॉ. अब्दुल फारूक और आशीष कुमार ने मरीजों के स्वास्थ्य की जांच की। इस दौरान अधिकतर मरीज सीने के इन्फेक्शन, स्किन इन्फेक्शन, सिर दर्द, बुखार, सर्दी-जुकाम, खांसी, ब्लड प्रेशर आदि की जांच कराने व दवा लेने लोग आए। डॉक्टर ने खान-पान पर विशेष ध्यान देने की अपील की। इस मौके पर राजेश कुमार, रामकरन, भगवान दास, कामेश्वर, कृपाशंकर, राजकुमारी, कलावती, आरती आदि उपस्थित रहे।

स्पोर्ट्स

पीसीबी से क्यों नाराज हैं गैरी कर्स्टन पाक टीम के कोच पद से इस्तीफा देने की बड़ी वजह आई सामने

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
नई दिल्ली। यहां तक कि जब मोहम्मद रिजवान को पाकिस्तान का नया सफेद गेंद का कप्तान बनाया गया था, तब भी कर्स्टन से कोई वजह जानते हैं...दरअसल, कर्स्टन ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के साथ मतभेद होने के बाद पद छोड़ने का फैसला किया। 56 साल के इस पूर्व क्रिकेटर और पाकिस्तान क्रिकेट नहीं थे। रिपोर्ट के मुताबिक, उनके पद छोड़ने का फैसला लाल गेंद के कोच जेसन गिलेस्पी और पीसीबी के साथ मतभेद के कारण हुआ है क्योंकि बोर्ड ने टीम चयन को

इनपुट नहीं लिया गया था। प्रेस कॉन्फ्रेंस में रिजवान आधिकारिक कप्तान बनाने का एलान भी तब किया गया जब कर्स्टन पाकिस्तान में नहीं थ वनडे और टी20 में पाकिस्तान के पूर्व मुख्य कोच गैरी कर्स्टन ने सोमवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। अचानक आई इस खबर ने पूरी दुनिया को चौंका कर रख दिया, क्योंकि इसी साल मई में कर्स्टन ने मुख्य कोच का पद संभाला था। अब छह महीने बाद उन्होंने इस्तीफा भी दे दिया है। कर्स्टन का कार्यकाल तो अच्छा नहीं रहा, लेकिन उनके इस्तीफे की कोई और वजह बताई जा रही है। कर्स्टन जैसे कोच के लिए हर टीम इंतजार करती है, लेकिन ऐसी क्या वजह रही कि उन्हें मजबूरन इस्तीफा देना पड़ा। गुरू गैरी के नाम से मशहूर कर्स्टन की देखरेख में भारत ने 2011 वनडे विश्व कप जीता था। आइए उनके इस्तीफे की बोर्ड के बीच मतभेद तब से बढ़ने लगे जब राष्ट्रीय चयन समिति को टीम चुनने की जिम्मेदारी दी गई और उनसे या कप्तान से कोई सलाह नहीं ली गई। पाकिस्तान के टेस्ट कोच जेसन गिलेस्पी ने यहां तक बताया था कि उनकी भूमिका मैच के एनालिस्ट तक सीमित कर दी गई है और सिर्फ ऐसा करने के लिए उन्होंने कॉन्ट्रैक्ट साइन नहीं किया था। कर्स्टन ने इस मामले पर सार्वजनिक बयान नहीं दिया है, लेकिन ईएसपीएनक्रिकइंफो की रिपोर्ट से पता चला है कि वह हाल की घटनाओं से काफी नाराज हैं। यहां तक कि जब मोहम्मद रिजवान को पाकिस्तान का नया सफेद गेंद का कप्तान बनाया गया था, तब भी कर्स्टन से कोई इनपुट नहीं लिया गया था। प्रेस कॉन्फ्रेंस में रिजवान आधिकारिक कप्तान बनाने का एलान भी तब किया गया जब कर्स्टन पाकिस्तान में लेकर कर्स्टन की शक्तियों को वापस ले लिया था। चयन अब विशेष रूप से चयन समिति का डोमेन है। कर्स्टन भी सोमवार को बयान जारी कर सकते हैं। पाकिस्तान की इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज का पहला टेस्ट हारने के बाद आकिब जावेद, अलीम दार, अजहर अली, असद शफीक और हसन चीमा को चयन समिति में शामिल किया गया था। आकिब के पाकिस्तान की सीमित ओवरों की टीम के कोच का पद लंबे समय तक संभालने की उम्मीद है। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज पाकिस्तान में भूमिका संभालने से पहले इंडियन प्रीमियर लीग फ्रेंचाइजी गुजरात टाइटंस के साथ बल्लेबाजी कोच के रूप में काम कर रहे थे। यह घटनाक्रम पाकिस्तान के चार नवंबर से शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलिया दौरे से एक सप्ताह पहले हुआ ह

अफगानिस्तान ने जीता इमर्जिंग एशिया कप का खिताब

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। इस मुकाबले में अफगानिस्तान ए ने श्रीलंका ए को 11 गेंदों के शेष रहते सात विकेट से हराकर इतिहास रच दिया। टीम ने दमदार प्रदर्शन के साथ खिताब अपने नाम कर लिया। इमर्जिंग एशिया कप 2024 का फाइनल मुकाबला रविवार को अल अमरात में खेला गया। इस मुकाबले में

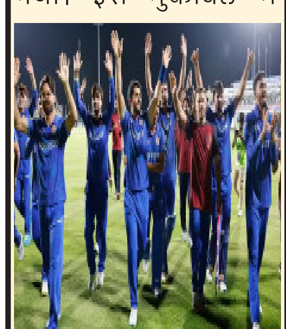

अफगानिस्तान ए ने श्रीलंका ए को 11 गेंदों के शेष रहते सात विकेट से हराकर इतिहास रच दिया। टीम ने दमदार प्रदर्शन के साथ खिताब अपने नाम कर लिया। इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका ए ने सहन आरछिगे की नाबाद अर्धशतकीय पारी की बदौलत 20 ओवर में सात विकेट पर 133 रन बनाए। जवाब में अफगानिस्तान ने सेदिकउल्लाह अटल की 55 रनों की दमदार पारी की बदौलत 18.1 ओवर में तीन विकेट पर 134 रन बनाए और लक्ष्य हासिल कर लिया डारविश रसूली के नेतृत्व में अफगानिस्तान ए ने पहली बार इमर्जिंग एशिया कप का खिताब अपने नाम किया। 18 वर्षीय अल्लाह मोहम्मद गजनफर को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने फाइनल में 3.5 के इकोनॉमी रेट से दो विकेट चटकाए जबकि बिलाल सामी को 5.5 के इकोनॉमी से तीन विकेट मिले।

टेस्ट के बाद वनडे-टी20 में भी पाकिस्तान टीम के हेड कोच बने गिलेस्पी, गैरी कर्स्टन का इस्तीफा मंजूर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। आईपीएल में गुजरात टाइटंस के मेंटर की भूमिका निभाने के बाद इस साल मई में पाकिस्तान की टीम के साथ बतौर कोच कर्स्टन का कार्यकाल शुरू हुआ था। यह कई चुनौतियों से भरा रहा था। अब गिलेस्पी ही तीनों प्रारूप में पाकिस्तान टीम के मुख्य कोच की भूमिका निभाएंगे। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने ऑस्ट्रेलिया के आगामी दौरे के लिए सीमित ओवरों की क्रिकेट टीम के मुख्य कोच के रूप में जेसन गिलेस्पी की नियुक्ति की घोषणा की है। यह फैसला गैरी कर्स्टन के इस्तीफे के बाद आया है, जिसे बोर्ड ने औपचारिक रूप से स्वीकार कर लिया है। गिलेस्पी इससे पहले सिर्फ टेस्ट टीम की कोच की भूमिका निभा रहे थे। अब वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे और टी20 सीरीज के लिए पाकिस्तान टीम के मुख्य कोच का

पद संभालेंगे। यह दौरा चार नवंबर से शुरू होने वाला है। यह बदलाव तब हुआ है जब मोहम्मद रिजवान को ऑस्ट्रेलियाई और जिम्बाब्वे दोनों दौरों के लिए व्हाइट बॉल टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है।हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में पाकिस्तान की हार के बाद पीसीबी ने एक नया चयन पैनल नियुक्त किया था। यह तीन महीने में तीसरे चयन पैनल की नियुक्ति है। इसमें आकिब जावेद, अलीम दार, अजहर अली, असद शफीक और हसन चीमा शामिल हैं। जबकि कोच और कप्तान दोनों के चयन का अधिकार इनसे बाहर रखा गया है। दार ने कथित तौर पर मुल्तान में दूसरे टेस्ट के लिए एक नई पिच तैयार करने का विचार रखा था। इसी की बदौलत पाकिस्तान ने इंग्लैंड के खिलाफ बाकी दोनों टेस्ट जीते थे। जबकि आकिब ने भी इसका समर्थन किया था। इस बदलाव के बाद सफेद गेंद के कप्तान रिजवान ने चुटकी लेते हुए कहा था कि पाकिस्तान अब टेस्ट के दौरान 'आकिब-बॉल' खेल रहा है आईपीएल में गुजरात टाइटंस के मेंटर की भूमिका निभाने के बाद इस साल मई में पाकिस्तान की टीम के साथ बतौर कोच कर्स्टन का कार्यकाल शुरू हुआ था।

राशि फल

कुछ कार्य जिसकी पिछले कुछ दिनों से प्लानिंग चल रही है, आज शुरू हो सकता है, जिससे आपको आर्थिक स्थिति में लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में परिवर्तन की योग बन रहे हैं

आज का दिन अच्छा है। परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। व्यापार आदि में सहयोगी पार्टनर के माध्यम से आय के नए स्रोत बनेंगे

किसी कार्य विशेष को लेकर आज यात्रा आदि पर बाहर जा सकते हैं। यात्रा में सावधानी बरतें, नहीं तो आपको नुकसान हो सकता है। साथ ही परिवार में किसी अपने के स्वास्थ्य से आप चिंतित रह सकते हैं।

आज आप व्यर्थ की भागदौड़ से परेशान हो सकते हैं। आपका मन अशांत रहेगा। कार्य की अधिकता के कारण थकावट आदि महसूस होगी।

आज आप मानसिक रूप से उलझे रहेंगे। किसी बात को लेकर परिवार में परेशानी बढ़ सकती है, लेकिन आप अपनी कुशलता से उसे हल करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

नौकरी आदि के लिए यदि प्रयास कर रहे हैं तो, आज आपको सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा, परंतु परिवार में माता-पिता का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

आज आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य न होने से आप मानसिक तौर से परेशान रह सकते है। आर्थिक स्थिति के कारण आपको किसी से मदद मांगनी पड़ सकती है। व्यापार-व्यवसाय में भी इस समय गिरावट महसूस होगी।

आज आप पतनी के स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। परिवार के लोग सहयोग करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में अपने साथियों के विरोध के कारण आपको बड़ा नुकसान हो सकता है।

स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं। साथ ही नौकरी आदि में अधिकारी वर्ग से मतभेद बढ़ने से आपकी परेशानी बढ़ेगी।

आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी अपने के द्वारा आपको कार्यक्षेत्र में बड़ा काम मिल सकता है, जिस कारण मन प्रसनन रहेगा।

आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।

मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

टर्निंग पिचों पर खेलने से भारतीय बल्लेबाजों को हो रही दिक्कत हरभजन सिंह ने रखी राय

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। पिछले कुछ समय से भारतीय बल्लेबाज स्पिनरों के मददगार वाली टर्निंग पिच पर संघर्ष करते दिख रहे हैं और पूर्व ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह का भी मानना है कि भारत के बल्लेबाजों ने ऐसी पिचों पर खेलने से अपना आत्मविश्वास खो दिया है। भारतीय टीम को हाल ही में न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में हार का सामना करना पड़ा था। बंगलुरू की तेज गेंदबाजों की मददगार पिच के बाद पुणे की टर्निंग पिच पर भी भारतीय बल्लेबाज बेदम नजर आए थे और उन्होंने करीब 12 वर्ष बाद घर में कोई टेस्ट सीरीज गंवा दी थी। पिछले कुछ समय से भारतीय बल्लेबाज स्पिनरों के मददगार वाली टर्निंग पिच पर संघर्ष करते दिख रहे हैं और पूर्व ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह का भी मानना है कि भारत के बल्लेबाजों ने ऐसी पिचों पर खेलने से अपना

आत्मविश्वास खो दिया है। हरभजन के अनुसार, टर्निंग पिच पर खेलने से भारतीय बल्लेबाजों के घरेलू औसत में गिरावट आई है और उनके करियर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। न्यूजीलैंड के खिलाफ पुणे की टर्निंग पिच पर भारत ने महत्वपूर्ण टॉस गंवा दिया और इसके बाद टीम 156 और 245 रन ही बना सकी। इसमें न्यूजीलैंड के मुख्य स्पिनर मिशेल सैंटनर ने 13 विकेट लिए हरभजन ने कहा, आपका घरेलू मैदान पर इतने लंबे समय तक शानदार रिकॉर्ड रहा है और अगर आप हार जाते हैं तो जाहिर है कि चर्चा होगी। न्यूजीलैंड जिस तरह से खेला, उसे उसका श्रेय जाता है और ये विदेशी परिस्थितियां थीं और ऐसी पिच भी नहीं थी जिसमें ज्यादा दरार हो। यह स्पिनरों के लिए अनुकूल परिस्थितियां थीं, जहां गेंद को पहले घंटे से ही टर्न लेना चाहिए था। हरभजन ने भारतीय टीम की सोचने की प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए कहा, पिछले दशकों के दौरान के चलन को देखें। हम पिछले दशक में ज्यादातर टर्नर पर इस उम्मीद के साथ खेल रहे हैं कि हम टॉस जीतेंगे और 300 रन बनाएंगे और मैच पर नियंत्रत करेंगे। लेकिन हम नहीं जानते कि पासा उलटा पड़ जाएगा और टर्निंग पिच पर हमारे बल्लेबाजी चलेगी या नहीं। हमारे बल्लेबाजों ने इन पिचों पर खेलते हुए आत्मविश्वास खो दिया है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण अजिंक्य रहाणे हैं जो एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए घोषित की टीम, टेस्ट विशेषज्ञों को दिया आराम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के नियमित सीमित ओवरों के कप्तान मिचेल मार्श और टेस्ट कप्तान पैट कमिंस भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज की तैयारियों के लिए पर्थ में हैं, इसलिए ऑस्ट्रेलिया को पाकिस्तान के खिलाफ एक नया कप्तान नियुक्त करना होगा। ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान के खिलाफ आगामी तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए 13 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। दोनों टीमों के बीच यह सीरीज 14 नवंबर से ब्रिसबेन में शुरू होगी। ऑस्ट्रेलिया को इसके बाद भारत के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है, इसलिए उसने

पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट विशेषज्ञों को आराम दिया है। पाकिस्तान के विरुद्ध सीरीज के लिए तेज गेंदबाज जेवियर बार्टलेट, नाथन एलिस और चोट से वापसी कर रहे स्पेंसर जॉनसन को टीम में शामिल किया गया है। ऑस्ट्रेलिया के नियमित सीमित ओवरों के कप्तान मिचेल मार्श और टेस्ट कप्तान पैट कमिंस भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज की तैयारियों के लिए पर्थ में हैं, इसलिए ऑस्ट्रेलिया को पाकिस्तान के खिलाफ एक नया कप्तान नियुक्त करना होगा। सीमित ओवरों के दिग्गज खिलाड़ी ग्लेन मैक्सवेल, मार्कस स्टोइनिस, एडम जांपा और विकेटकीपर बल्लेबाज जोश इंग्लिस भी टीम में मौजूद हैं। इंग्लिस टीम के एकमात्र सदस्य हैं जो भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए कंगारू टीम में शामिल होने की दौड़ में हैं। मैक्सवेल, इंग्लिस और जांपा जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के टीम में होने से पाकिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया की कमान संभालने को लेकर काफी विकल्प मौजूद हैं। मैक्सवेल ने बिग बैश लीग में मेलबर्न स्टार्स की कप्तानी की है और उनके पास नेतृत्व करने का अनुभव है, जबकि जांपा का अंतरराष्ट्रीय अनुभव और इंग्लिश की हाल की लय उन्हें कप्तान बनाने का दावेदार बनाती है।

धोनी ने दिए आईपीएल के अगले सत्र में खेलने के संकेत, निचले क्रम पर उतरने को लेकर दिया बयान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। आईपीएल के अगले सत्र से पहले खिलाड़ियों की बड़ी नीलामी होनी हैं। इससे पहले सभी फ्रेंचाइजी को 31 अक्तूबर तक रिटेन किए गए खिलाड़ियों की सूची सौंपनी है। माना जा रहा है कि सीएसके इस साल धोनी को अनकैप्ड खिलाड़ी के तौर पर रिटेन करेगा जिससे उनके टीम से जुड़ने रहने का रास्ता साफ हो जाएगा।आईपीएल 2025 सत्र की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं और अगले कुछ दिनों में फ्रेंचाइजी खिलाड़ियों को रिटेन और रिलीज करने का फैसला लेंगी। इस बीच, सभी की नजरें चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी पर टिकी हुई हैं। अब सीएसके के प्रशंसकों के लिए राहत की खबर सामने आई है क्योंकि खुद माही ने आईपीएल के अगले सत्र में खेलने के संकेत दिए हैं। आईपीएल के अगले सत्र से पहले खिलाड़ियों की बड़ी नीलामी होनी हैं। इससे पहले सभी फ्रेंचाइजी को 31 अक्तूबर तक रिटेन किए गए खिलाड़ियों की सूची सौंपनी है। माना जा रहा है कि सीएसके इस

साल धोनी को अनकैप्ड खिलाड़ी के तौर पर रिटेन करेगा जिससे उनके टीम से जुड़ने रहने का रास्ता साफ हो जाएगा। मालूम हो कि धोनी ने आईपीएल 2024 से पहले सीएसके की कप्तानी छोड़ दी थी और ऋतुराज गायकवाड़ को टीम की कमान सौंपी थी जिससे उनके भविष्य को लेकर अटकलें लगाई जाने लगी थी अब धोनी ने खुद आईपीएल 2025 में खेलने के संकेत दिए हैं। उन्होंने कहा है कि वह खिलाड़ी के तौर पर अपने आखिरी कुछ वर्षों में जो भी क्रिकेट खेल रहे हैं उसका लुत्फ उठाना चाहते हैं। धोनी ने कहा, मैं अपने आखिरी कुछ वर्षों में जो भी क्रिकेट खेल सका हूं उसका आनंद लेना चाहता हूं। मैं खेल का वैसे ही आनंद लेना चाहता हूं जैसे कि बचपन में हम शाम चार बजे बाहर जाते थे और खेलते थे, बस खेल का आनंद लेते थे। जब आप खेल को पेशेवर तौर पर खेलते हैं तो कई बार उसका लुत्फ उठाना मुश्किल हो जाता है। मैं जो भी करता हूं उसमें भावनाएं और प्रतिबद्धताएं जुड़ी होती हैं, लेकिन मैं अगले कुछ वर्षों तक खेल का आनंद लेना चाहता हूं। हाल ही में चेन्नई सुपर किंग्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी कासी विश्वनाथन ने भी कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि धोनी आगामी सत्र में खिलाड़ी के तौर पर टीम का हिस्सा होंगे। धोनी ने 2023 में बाएं घुटने की सर्जरी कराने के बाद 2024 के आईपीएल सत्र के दौरान निचले क्रम में बल्लेबाजी की। भारत के पूर्व कप्तान ने बताया कि यह निर्णय मुख्य रूप से टी20 विश्व कप से पहले युवा भारतीय खिलाड़ियों को मैदान में समय बिताने का मौका देने के लिए किया गया था।

लक्ष्य के शतक से हरियाणा ने पहली पारी में बनाई बढ़त माधव के शतक से पंजाब के खिलाफ यूपी मजबूत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। ओपनर माधव कौशिक ने अपने करिअर का सर्वाधिक स्कोर बनाते हुए उत्तर प्रदेश को रणजी

ट्रॉफी के ग्रुप सी मुकाबले में पंजाब के खिलाफ पहली पारी में 346 रन की बड़ी बढ़त दिला दी है। लक्ष्य दलाल की 105 रन की शतकीय पारी और धीरू सिंह के 94 रन की बदौलत हरियाणा ने मध्य प्रदेश के खिलाफ रणजी ट्रॉफी ग्रुप सी के मुकाबले में पहली पारी में 123 रन बढ़त हासिल कर ली है। लक्ष्य और धीरू ने तीन विकेट पर 185 रन से आगे खेलते हुए 143 रन की साझेदारी की। इसके बाद हर्षल पटेल और युजवेंद्र चहल ने नौवें विकेट के लिए 67 रन की साझेदारी निभाई। हर्षल 144 गेंद में चार चौकों और तीन छक्कों की मदद से 72 रन बनाकर नाबाद रहे। युजवेंद्र ने 142 गेंद में दो चौकों की मदद से 27 रन बनाए। हरियाणा ने दिन का खेल खत्म होने पर नौ विकेट पर 431 रन बना लिए हैं। कुमार कार्तिकेय ने 117 रन पर चार विकेट लिए। लक्ष्य ने 105 रन की पारी में 10 चौके और एक छक्का लगाया। इससे पहले हिमांशु राणा ने 99 गेंद में 12 चौकों की मदद से 90 रन की पारी खेली थी। धीरू ने 173 गेंद में 12 चौकों की मदद से 94 रन बनाए। मध्य प्रदेश ने पहली पारी में 308 रन बनाए थे। जयंत यादव ने 84 रन पर पांच विकेट लिए थे।ओपनर माधव कौशिक ने अपने करिअर का सर्वाधिक स्कोर बनाते हुए उत्तर प्रदेश को रणजी ट्रॉफी के ग्रुप सी मुकाबले में पंजाब के खिलाफ पहली पारी में 346 रन की बड़ी बढ़त दिला दी है। माधव ने 297 गेंद में 21 चौकों और एक छक्के की मदद से 163 रन बनाए। यूपी ने अपनी पहली पारी नौ विकेट पर 556 रन के योग पर घोषित कर दी। दिन का खेल समाप्त होने पर यूपी ने पंजाब का 49 रन पर एक विकेट गिरा दिया था।माधव ने रिंकू सिंह के साथ चौथे विकेट के लिए 144 रन की साझेदारी निभाई। रिंकू ने 131 गेंद में 11 चौकों और एक छक्के की मदद से 68 रन बनाए। यूपी के लिए सौरभ कुमार ने 67 गेंद में 69 रन की पारी खेली। उन्होंने पांच चौके, तीन छक्के लगाए। शिवम मावी ने 64 गेंद में 37 और शिवम शर्मा ने 58 गेंद में 50 रन बनाकर पंजाब के गेंदबाजों को जमकर संघर्ष कराया। शिवम ने दो चौके और चार छक्के लगाए। अर्शदीप सिंह ने 102 पर दो, कृष भगत, गुरनूर बराड़ और सनवीर सिंह ने दो-दो विकेट लिए।

सम्पादकीय

भारत के लिए ब्रिक्स का महत्व, चीन का दबदबा घटाने के लिए क्वाड जितना उपयोगी

ब्रिक्स के शुरुआती वर्षों में चीन आज के मुकाबले कम शक्तिशाली था और वह भारत का जोड़ीदार माना जाता था। तब सभी उभरती अर्थव्यवस्थाओं का एकजुट होकर विकसित देशों से सामूहिक सौदेबाजी करने का स्वप्न सच्चा लगता था जबकि मौजूदा दौर में चीन ब्रिक्स पर अपने वर्चस्व की फिराक में है। ऐसे में यह आशंका निर्मूल नहीं कि चीन इसे अपने निहित स्वार्थों की पूर्ति का साधन बना सकता है। ब्रिक्स का 16वां शिखर सम्मेलन रूस में होने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उसमें सहभागिता करेंगे। इस वर्ष की ब्रिक्स बैठक खास मायने रखती है, क्योंकि 2010 में दक्षिण अफ्रीका के पूर्ण सदस्य बनने के बाद यह पहला अवसर है जब ईरान, मिस्र, इथियोपिया और संयुक्त अरब अमीरात के रूप में चार नए सदस्य शिखर वार्ता में शामिल होंगे। अपने संस्थापक देशों के नाम के पहले अक्षर से जाना जाने वाला ब्रिक पहले ब्रिक्स हुआ और अब ब्रिक्स का भी विस्तार हो रहा है। स्पष्ट है कि सदस्यों में वृद्धि के कारण इस समूह की राजनीति एवं कार्यशैली में अंतर पड़ेगा। भारत ब्रिक्स को नई दिशा और आकार देने के साथ उसके संचालन में सक्रिय भूमिका निभाने का इच्छुक है। इस बार ब्रिक्स शिखर बैठक का मुख्य विषय है बहुपक्षवाद को मजबूत करना। पहले की तुलना में आज नौ सदस्यों के रहते ब्रिक्स की बहुपक्षीय प्रमाणिकता बढ़ी है। पश्चिम एशिया और अफ्रीका के प्रमुख देशों के प्रतिनिधित्व से संगठन की छवि और दृष्टिकोण में विविधता आई है, जो प्रगतिशीलता का संकेत है। हालांकि इसके साथ ही सर्वसम्मति और निर्णयन में चुनौतियां भी उत्पन्न हो सकती हैं। चीन और रूस का अमेरिका के साथ छत्तीस का आंकड़ा किसी से छिपा नहीं। ये दोनों चाहते हैं कि विस्तारित ब्रिक्स पश्चिम के विरुद्ध मजबूत मोर्चा बने और पश्चिमी शक्तियों के पाखंड के खिलाफ आवाज उठाए। चीन का बस चलता तो पाकिस्तान सहित कई विकासशील देशों को सदस्यता देकर ब्रिक्स को विकसित देशों के रास्ते का कांटा बना सकता था, लेकिन भारत ने इसका अंधाधुंध विस्तार नहीं होने दिया। वह अमेरिका और यूरोप के साथ अपनी सामरिक साझेदारियों का ख्याल करते हुए ब्रिक्स को वैचारिक मंच बनने से रोक रहा है। हालांकि सीमा पर सैनिकों की गश्त को लेकर भारत चीन के साथ समझौते पर पहुंचने में कामयाब रहा, लेकिन दोनों देशों के बीच दीर्घकालिक प्रतिस्पर्धा और तनाव जारी रहेंगे और यह ब्रिक्स में भी परिलक्षित हो सकता है। अंदरूनी रस्साकशी में भारत और ब्राजील विचारधारा केंद्रित दृष्टिकोण से परे हैं और वे व्यावहारिक सहयोग तथा विकास से संबंधित नए उपक्रमों को ब्रिक्स की कार्यसूची में प्राथमिकता दिलाने का प्रयास कर रहे हैं। वित्त, व्यापार, कृषि और प्रौद्योगिकी जैसे मुद्दों पर विकासशील देशों में आपसी तालमेल और परस्पर लाभ पर भारत का ध्यान है। इस दृष्टि को साकार करने के लिए नए सदस्यों में मिस्र, इथियोपिया और अमीरात भारत के करीबी हैं। हालांकि, ईरान के साथ भी भारत की सामरिक साझेदारी है, लेकिन पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध और अमेरिका के करीबी इजरायल से ईरान का संघर्ष यही संकेत करता है कि तेहरान का झुकाव चीन और रूस की ओर रहेगा। अगर दो अन्य देश-अर्जेंटीना और सऊदी अरब भी ब्रिक्स के दायरे में आ जाएं तो भारत का पलड़ा भारी हो सकता है। इन देशों को सदस्य बनने का निमंत्रण दिया गया है, लेकिन अभी वे इससे किनारा कर रहे हैं। भारत ब्रिक्स में नए भागीदार देशों की सूची पर आम सहमति बनाने की रूपरेखा तैयार करने में भी जुटा है। चीन के विस्तारवादी रवैये को देखते हुए नए देशों का चयन और सदस्यता का मार्ग तय करना अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि इस प्रक्रिया से विकासशील जगत के नेतृत्व की प्रतिस्पर्धा का फैसला हो सकता है। मोदी सरकार ने भारत को विकासशील देशों का सच्चा मित्र एवं मुखर आवाज के रूप में स्थापित किया है और विकास के भारत के प्रारूप को चीन से अलग हटकर दिखाया है, जिसकी प्रकृति कहीं अधिक समावेशी एवं साझा हितों को पोषित करने वाली है। भारत के ये प्रयास इसलिए उल्लेखनीय हैं, क्योंकि विकासशील देशों के बीच चीन अपनी पैठ बढ़ाकर अपने मंसूबे पूरे करना चाहता है। कुछ आलोचकों का सवाल है कि ब्रिक्स में चीन की दमदार उपस्थिति के चलते भारत को ऐसे संस्थान से भला क्या लाभ मिलेगा? इसमें दो राय नहीं कि भूराजनीति एवं सामरिक दृष्टिकोण से ब्रिक्स के मुकाबले क्वाड भारत के लिए कहीं अधिक उपयोगी एवं महत्वपूर्ण है, लेकिन आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक अभियान चलाने के लिए आवश्यक कदमों पर सहमति बनाने से लेकर युद्धग्रस्त क्षेत्रों में शांति एवं स्थिरता को लेकर भारत ब्रिक्स के मंच पर भी अपनी आवाज उठा रहा है। इसके जरिये भारत के सुरक्षा हितों की अपेक्षित पूर्ति संभव नहीं लगती। जब तक रूस पूरी तरह भारत के पाले में रहा, तब तक चीन की चुनौती का संतुलन साधने में भारत को कुछ सफलता मिलती रही, लेकिन अब रूस चीन पर इतना निर्भर हो गया है कि उसके भरोसे चीनी चुनौती का जवाब तलाशना व्यावहारिक नहीं रहा। प्राचीन चीनी रणनीतिकार सुन जू ने कहा था कि सम्राट द्वारा 'दोस्तों को करीब रखना चाहिए, मगर दुश्मनों को उससे भी अधिक करीब रखना चाहिए, ताकि उनकी गतिविधियों और पैंतरों का अंदाजा मिलता रहे।' चीन के विस्तारवाद को टक्कर देने में भले ही क्वाड जैसे समूहों के पास प्रत्यक्ष और स्पष्ट अधिदेश हो, लेकिन अप्रत्यक्ष तौर पर और विशेषकर विकासशील देशों के बीच चीन के दबदबे को घटाने के लिहाज से ब्रिक्स भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारतीय कूटनीति का यह स्पष्ट लक्ष्य होना चाहिए कि ब्रिक्स में किसी एक देश का वर्चस्व नहीं होने देना है और इस समूह के द्वारा आर्थिक और व्यापारिक लाभ मिलने का सिलसिला कायम रहे।

31 अक्टूबर या 1 नवंबर, कब है दिवाली यहां से दूर कीजिए तिथि का कंफ्यूजन

दीपावली का त्योहार कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि को मनाया जाता है. इस बार दिवाली की तिथि को लेकर लोग असमंजस में हैं. कुछ लोगों का मानना है कि इस बार दिवाली 31 अक्टूबर को मनाई जाएगी तो वहीं कुछ लोग 1 नवंबर को सही तारीख बता रहे हैं. तो आइए ज्योतिषाचार्य से जानते हैं कि दिवाली की सही तिथि क्या है. हर साल की तरह कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या यानी दिवाली का त्योहार देश भर में धूमधाम से मनाया जाता है. दिवाली प्रकाश का पर्व है और इसे दीपावली भी कहा जाता है. दिवाली हिंदुओं के प्रमुख त्योहारों में से एक है. इस दिन भगवान राम 14 वर्ष के वनवास के बाद वापिस अयोध्या आए थे इस बार दिवाली की तिथि को लेकर लोग असमंजस में हैं. कुछ लोगों का मानना है कि इस बार दिवाली 31 अक्टूबर को मनाई जाएगी तो वहीं कुछ लोग 1 नवंबर को दिवाली की सही तारीख बता रहे हैं. तो आइए ज्योतिषाचार्य पं. सुधांशु तिवारी जी से जानते हैं कि दीवाली किस दिन मनाना फलदायी होगा और साथ ही दिवाली की सही डेट क्या है और लक्ष्मी-गणेश पूजन का मुहूर्त क्या रहेगा. दिवाली 2024 तिथि दीपावली का त्योहार कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि को मनाया जाता है. इस बार कार्तिक अमावस्या तिथि 31 अक्टूबर को दोपहर 3 बजकर 52 मिनट पर शुरू होगी और तिथि का समापन 1 नवंबर को शाम 6 बजकर 16 मिनट पर होगा. ऐसे में अमावस्या की तिथि के अनुसार कुछ विद्वान या पंडित दिवाली 31 अक्टूबर को

मनाने की सलाह दे रहे हैं तो वहीं कुछ 1 नवंबर को दिवाली मनाने के पक्ष में हैं. ज्योतिषाचार्य पंडित सुधांशु तिवारी जी के मुताबिक, 1 नवबंर को अमावस्या तिथि प्रदोष और निशिता काल को स्पर्श नहीं कर रही है जबकि 31 अक्टूबर को अमावस्या तिथि प्रदोष काल से लेकर निशिता काल तक व्याप्त रहेगी. साथ ही 1 नवंबर को आयुष्मान योग और स्वाति नक्षत्र का संयोग भी बन रहा है. लेकिन, तिथियों और पंचांग के अनुसार, इस बार 31 अक्टूबर को ही दिवाली मनाना ज्यादा शुभ रहेगा. दिवाली 2024 की तिथि को लेकर अलग-अलग पंडितों का तर्क अयोध्या में दिवाली का पर्व 1 नवंबर को मनाया जाएगा. जबकि, काशी के पंडितों के मुताबिक, दिवाली 31 अक्टूबर को मनाना ही फलदायी रहेगा. साथ ही, वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर, नाथद्वार श्रीनाथजी मंदिर, तिरुपति देवस्थानम और द्वारकाधीश में भी दिवाली का पर्व 31 अक्टूबर को ही मनाया जाएगा. उज्जैन के ज्योतिर्विदों के अनुसार, 31 अक्टूबर को अमावस्या प्रदोष काल में ही मनाना सही रहेगा और धनतेरस 29 अक्टूबर को. दिवाली पूजन का शुभ मुहूर्त इस बार दिवाली पर पूजन के लिए दो मुहूर्त मिलेंगे. पहला शुभ मुहूर्त प्रदोष काल में है. इस दिन प्रदोष काल शाम 05 बजकर 36 से रात्रि 08 बजकर 11 मिनट के बीच रहेगा, जिसमें वृषभ काल शाम 6 बजकर 20 मिनट से लेकर रात 8 बजकर 15 मिनट तक रहेगा. इसमें भी मां लक्ष्मी का पूजन किया जा सकता है. इसके अलावा, लक्ष्मी पूजा के लिए सबसे खास शुभ मुहूर्त शाम 05 बजकर 36 मिनट से शाम 06 बजकर 15 मिनट के बीच का समय रहेगा. यानी लक्ष्मी पूजन के लिए आपको 41 मिनट का समय मिलेगा. लक्ष्मी पूजा के लिए कुछ मंत्र ये रहे ऊँ श्रीं ह्रीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद श्रीं ह्रीं श्रीं ऊँ महालक्ष्मी नमः ऊँ श्रीं क्लीं महालक्ष्मी महालक्ष्मी एह्येहि सर्व सौभाग्यं देहि मे स्वाहा ॐ सर्वाबाधा विनिर्मुक्तो, धन धान्यः सुतान्वितः। मनुष्यो मत्प्रसादेन भविष्यति न संशयः ॐ ॐ ह्रीं श्रीं क्रीं क्लीं श्री लक्ष्मी मम गृहे धन पूरये, धन पूरये, चिंताएं दूरये-दूरये स्वाहा दिवाली पूजन विधि दिवाली पर पूर्व दिशा या ईशान कोण में एक चौकी रखें. चौकी पर लाल या गुलाबी वस्त्र बिछाएं. पहले गणेश जी की मूर्ति रखें. फिर उनके दाहिने और लक्ष्मी जी को रखें. आसन पर बैठें और अपने चारों और जल छिड़क लें. इसके बाद संकल्प लेकर पूजा आरम्भ करें. एक मुखी घी का दीपक जलाएं. फिर मां लक्ष्मी और भगवान गणेश को फूल और मिठाइयां अर्पित करें. इसके बाद सबसे पहले गणेश और फिर मां लक्ष्मी के मंत्रों का जाप करें. अंत में आरती करें और शंख ध्वनि करें. घर में दीपक जलाने से पहले थाल में पांच दीपक रखकर फूल आदि अर्पित करें. इसके बाद घर के अलग-अलग हिस्सों में दीपक रखना शुरू करें. घर के अलावा कुएं के पास और मंदिर में दीपक जलाएं. दीपावली का पूजन लाल, पीले या चमकदार रंग के वस्त्र धारण करके करें. काले, भूरे या नीले रंग से परहेज करें. दिवाली का महत्व दिवाली के दिन भगवान राम लंका पर विजय प्राप्त करके वापस अयोध्या आए थे. इस दिन से हर साल कार्तिक अमावस्या पर दिवाली मनाई जाती है. दिवाली पर माता लक्ष्मी और भगवान गणेश की विधिवत पूजा अर्चना की जाती है, साथ ही भगवान राम के आने की खुशी में दीप जलाए जाते हैं.

विनिर्माण बढ़ाएंगे औद्योगिक शहर, 28602 करोड़ रुपये का होगा निवेश

2014 में निवेश और घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई मेक इन इंडिया पहल के सकारात्मक परिणाम आने लगे हैं। इससे मोबाइल से लेकर मिसाइल तक भारत आत्मनिर्भर बना और इन क्षेत्रों में देश का निर्यात तेजी से बढ़ा। उदाहरण के लिए जहां 2014 में मात्र दो मोबाइल विनिर्माण इकाइयां थीं वहीं आज इनकी संख्या 200 से अधिक हो गई है। मोदी सरकार ने 12 नए औद्योगिक शहर विकसित करने की जो घोषणा की थी, उसके अमल की दिशा में कदम उठाने शुरू कर दिए गए हैं। 12 नए औद्योगिक स्मार्ट शहर बनाने के लिए राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास कार्यक्रम (एनआइसीडीपी) के तहत 28,602 करोड़ रुपये का निवेश होगा। इन औद्योगिक शहरों को 10 राज्यों में फैले 6 प्रमुख औद्योगिक गलियारों के किनारे विकसित किया जाएगा। ये औद्योगिक क्षेत्र हैं उत्तराखंड में खुरपिया, पंजाब में राजपुरा-पटियाला, महाराष्ट्र में दिघी, केरल में पलक्कड़, उत्तर प्रदेश में आगरा और प्रयागराज, बिहार में गया, तेलंगाना में जहीराबाद, आंध्र में ओरवाकल तथा कोप्पर्थी और राजस्थान में जोधपुर-पाली। इन औद्योगिक शहरों से न केवल बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर सृजित होंगे, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को गति भी मिलेगी। इससे भारत वैश्विक स्तर पर अपनी प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को मजबूत कर सकेगा। इन औद्योगिक शहरों को वैश्विक मानकों के ग्रीन फील्ड स्मार्ट शहरों के रूप में विकसित किया जाएगा। इनमें पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के अनुरूप मल्टीमाडल कनेक्टिविटी बुनियादी ढांचा विकसित होगा, जो लोगों, वस्तुओं और सेवाओं की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करेगा। इन औद्योगिक शहरों को पूरे क्षेत्र के परिवर्तन के लिए विकास केंद्र बनाने की परिकल्पना की गई है। इन औद्योगिक शहरों में 10 लाख प्रत्यक्ष और 30 लाख अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

इसमें पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने के लिए आईसीटी-सक्षम उपयोगिताओं और हरित प्रौद्योगिकियों को शामिल किया गया है। इनके जरिए 1.5 लाख करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित करने का लक्ष्य है। राज्यों का योगदान जमीन के रूप में होगा और केंद्र सरकार इक्विटी या डेट उपलब्ध कराएगी। कुछ औद्योगिक टाउनशिप अन्य देशों के साथ मिलकर विकसित की जाएंगी। इन औद्योगिक पार्कों में वह जमीन शामिल होगी, जो सरकार द्वारा पहले ही अधिग्रहित है और जिसके लिए पर्यावरणीय मंजूरी मिल चुकी है। दूसरे, एकल खिड़की मंजूरी के लिए स्पेशल परपज व्हीकल बनाने का प्रस्ताव भी है। तीसरे, पार्कों को समर्पित माल ढुलाई गलियारे से लगे क्षेत्रों से जोड़ा जाएगा, जिससे लाजिस्टिक लागत में कमी आएगी। इनमें से पांच अमृतसर-कोलकाता मार्ग पर, दो दिल्ली-मुंबई मार्ग पर और पांच दक्षिणी एवं मध्य मार्गों पर स्थित हैं। उल्लेखनीय है कि पहले से ही आठ औद्योगिक स्मार्ट शहर विभिन्न विकासात्मक चरणों में हैं। इनमें से चार शहर धोलेरा (गुजरात), आरिक (महाराष्ट्र), विक्रम उद्योगपुरी (मध्य प्रदेश) और कृष्णपट्टनम (आंध्र प्रदेश) में ट्रंक आधारभूत ढांचा तैयार हो चुका है और उद्योगों के लिए भूमि आवंटन का काम चल रहा है। अन्य चार शहरों में सरकार की स्पेशल परपज यूनिट सड़क, पानी, बिजली आपूर्ति जैसे बुनियादी ढांचे का निर्माण कर रही है। इस प्रकार नई घोषणा के साथ देश में कुल 20 औद्योगिक स्मार्ट शहर हो जाएंगे। घरेलू विनिर्माण में मुख्य बाधा ऊंची उत्पादन लागत है, जिससे हमारे उत्पाद ग्लोबल सप्लाई चेन का हिस्सा नहीं बन पाते। स्पष्ट है विनिर्माण को तभी बढ़ावा मिलेगा, जब प्रक्रियागत सुधार और कारोबारी सुगमता को बेहतर बनाया जाए। यहां सबसे बड़ी समस्या राज्यों की ओर से आती है। भूमि राज्य का विषय है और कई राज्यों में भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया बहुत जटिल है और श्रम कानून भी कड़े हैं। इससे निवेश और औद्योगिक विकास प्रभावित होता है। अतः केंद्र के साथ-साथ राज्यों को भी रेगुलेटरी फ्रेमवर्क सरल बनाने और निवेश के अनुकूल नीतियां बनानी होंगी। सकारात्मक नीतियां बनें तो अच्छे परिणाम आने में देर नहीं लगती। इसका ज्वलंत उदाहरण है मेक इन इंडिया पहल। 2014 में निवेश और घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई मेक इन इंडिया पहल के सकारात्मक परिणाम आने लगे हैं। इससे मोबाइल से लेकर मिसाइल तक भारत आत्मनिर्भर बना और इन क्षेत्रों में देश का निर्यात तेजी से बढ़ा। उदाहरण के लिए जहां 2014 में मात्र दो मोबाइल विनिर्माण इकाइयां थीं, वहीं आज इनकी संख्या 200 से अधिक हो गई है। 2014 में जहां मात्र 1556 करोड़ रुपये के मोबाइल फोन निर्यात किए जाते थे, वहीं अब यह निर्यात 1.20 लाख करोड़ रुपये का हो गया है। अर्थात पिछले 10 वर्षों में देश के मोबाइल निर्यात में 7500 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। सिरेमिक और खिलौने जैसे क्षेत्र में आयात पर हमारी निर्भरता खत्म हुई और हम आयातक से निर्यातक बन गए। इस दौरान प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में 119 प्रतिशत का उछाल आया। उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना पीएलआई का परिणाम यह है कि भारत आटोमोटिव, इलेक्ट्रानिक्स, फार्मा जैसे क्षेत्रों का प्रमुख निर्माता बन गया। एप्पल, फाक्सकान जैसी वैश्विक कंपनियां भारत में निर्माण करने लगीं तो चिप निर्माता अमेरिकन कंपनी माइक्रोन भारत में यूनिट लगा रही है। सेमीकंडक्टर क्षेत्र में 1.50 लाख करोड़ का निवेश हो रहा है। इससे न सिर्फ हर वर्ष अरबों डालर का सेमीकंडक्टर आयात बंद हो जाएगा, बल्कि भारत सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला का प्रमुख केंद्र बनेगा। इन उपलब्धियों के बावजूद सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण की हिस्सेदारी अभी भी 15 प्रतिशत से कम है, जिसमें 11 प्रतिशत जनसंख्या लगी हुई है। इस विनिर्माण से विश्व में आपूर्ति की जाने वाली मात्र दो प्रतिशत वस्तुओं का ही उत्पादन हो पा रहा है। इसका कारण है कि अब तक घरेलू विनिर्माण नीतियां समन्वित न होकर एकाकी रूप से बनीं। देश में 4420 औद्योगिक पार्क और 270 विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) हैं। इनमें से अधिकांश को निवेश बढ़ाने में कोई विशेष सफलता नहीं मिली। एसईजेड को चीन की तर्ज पर विकसित किया गया था, जहां टैक्स राहत प्रदान करते हुए निर्यातोन्मुखी इकाइयां लगाई गई थीं। टैक्स रियायतें समाप्त होते ही एसईजेड से होने वाला निर्यात घटने लगा। मोदी सरकार इससे सबक सीखते हुए समन्वित नीति बना रही है, ताकि इन औद्योगिक शहरों का भी वही हश्र न हो, जो विशेष आर्थिक क्षेत्रों का हुआ।

मदरसा शिक्षा मुसलमानों की तरक्की में बाधक

मुस्तफा कमाल ने कहा कि हर हाल में हमें अपना गणराज्य बचाना है। आटोमन साम्राज्य जर्जर मजहबी आधारों पर बना बेढंगी ढांचा था। नया गणराज्य अच्छे आधार और वैज्ञानिक संरचनाओं पर बनना है। खलीफा और उस्मानी अवशेषों को जाना ही होगा। साथ ही मजहबी कानून हटाकर आधुनिक वैज्ञानिक सिविल कोड बनाना है। मदरसों के बदले सेक्युलर सरकारी स्कूल स्थापित करना है। इन दिनों उत्तर प्रदेश का मदरसा कानून सुप्रीम कोर्ट के समक्ष है। इसके अलावा बाल संरक्षण अधिकार आयोग का यह विचार भी चर्चा में है कि मदरसे आधुनिक शिक्षा से दूर हैं। भले ही मुस्लिम समाज के मजहबी नेता मदरसा शिक्षा को उपयोगी बताएं, सच यह है कि मदरसा शिक्षा मुसलमानों की तरक्की में बाधक है। इसी कारण तुर्की (अब तुर्किए) के फौजी नेता मुस्तफा कमाल ने सौ साल पहले सल्तनत और खिलाफत, दोनों को खत्म करने के साथ जो अन्य महत्वपूर्ण निर्णय लिए थे, उनमें से एक मदरसों की तालीम पर पाबंदी लगाना था। इससे ही वहां यूरोप जैसी तरक्की हो सकी। मुस्तफा कमाल ने अरबी लिपि और शरीयत आदि खत्म कर तुर्की को वैज्ञानिक शिक्षा और यूरोपीय जीवनशैली में ढाला। 1934 में तुर्की संसद ने मुस्तफा कमाल को 'अतातुर्क' यानी तुर्कों के राष्ट्रपिता की उपाधि दी। जहां तक खलीफा का प्रश्न है तो खलीफा दुनिया के मुसलमानों के सर्वोच्च मजहबी-राजनीतिक प्रमुख होते थे।

यह परंपरा प्रोफेट मोहम्मद के बाद से चली आ रही थी। सौ साल पहले तक तुर्की के सुल्तान खलीफा थे, पर मुस्तफा कमाल ने सब बदल दिया। यह सब एकाएक नहीं हुआ। मुस्तफा कमाल का विचार पहले से जाहिर था कि मजहब देश को फलने-फूलने से रोकता है। वह एक गतिशील आधुनिक तुर्की बनाना चाहते थे। उनके शब्दों में, 'पांच सौ सालों से एक अरब शेख के नियमों-मान्यताओं तथा उन पर पीढ़ियों से मुल्लों की व्याख्याओं ने तुर्की के सारे कानून निर्धारित किए। यहां तक कि उन्होंने ही हर तुर्क का जीवन, खानपान, पोशाक, शिक्षा, रीति-रिवाज और विचार तक तय किए।' यह सब मुस्तफा कमाल की दृष्टि में लोगों पर बोझ था। इसीलिए उन्होंने ताकत मिलते ही खलीफा वहीदुद्दीन की सल्तनत खत्म कर दी। तब खलीफा तुर्की छोड़कर भाग गए और अंग्रेजों से शरण ली। तुर्की संसद ने अब्दुल मजीद को नया खलीफा चुना, जो अंतिम साबित हुए। जब नए खलीफा ने अपने खर्चे आदि में बढ़ोतरी की मांग की तब इसे ठुकराते हुए कमाल ने उत्तर दिया कि खलीफा अब अवशेष मात्र है। उन्होंने तुर्की के प्रमुख मौलवी को भी बाहर कर दिया। स्त्रियों को बुर्का छोड़कर पुरुषों के साथ समानता के साथ रहने के लिए प्रोत्साहित किया। यूरोप की तरह सांस्कृतिक जीवन, नृत्य-संगीत आदि को बढ़ावा दिया। इन कदमों पर मुल्ले-मौलवियों का विरोध निष्फल रहा, क्योंकि जनता में मुस्तफा कमाल तुर्की के गौरव के रूप में प्रतिष्ठित हो चुके थे। रोचक बात यह है कि खिलाफत के खात्मे में कुछ भारतीय मुस्लिम नेताओं की भूमिका निर्णायक रही। आटोमन (उस्मान) खलीफा का साम्राज्य पूर्ववत बनाने के लिए 1919 से ही भारत में आंदोलन चल रहा था, जैसा किसी अन्य देश में नहीं हुआ। अरब देशों में भी खलीफा पर उदासीनता थी, जिसे एक मरणासन्न शोषक माना जाता था। हालांकि अनेक भारतीय मुस्लिम खिलाफत के लिए बेचैन थे। वे तुर्की शासकों से मिले, अपीलें की, देश-विदेश में प्रचार किया। यही खिलाफत आंदोलन था, जिसमें महात्मा गांधी उत्साह से लगे रहे। इसी दौरान नवंबर 1923 को दो प्रमुख भारतीय मुस्लिमों आगा खान और अमीर अली ने तुर्की के प्रधानमंत्री को एक विरोध-पत्र लिखा। इसमें खलीफा का मान-सम्मान बहाल करने की मांग थी। प्रधानमंत्री तक पत्र पहुंचने से पहले ही वह अखबारों में प्रकाशित हो गया। मुस्तफा कमाल ने इसे एक गंभीर षड्यंत्र बताकर चेतावनी दी कि खलीफा की आड़ में विदेशी तख्तापलट करने की कोशिश करते रहेंगे। मुस्तफा कमाल ने आगा खान को 'स्पेशल ब्रिटिश एजेंट' बताया, जो तुर्की को तोड़ना चाहता है। उस पत्र को प्रमाण बताकर कमाल ने तुर्की संसद से खिलाफत खत्म करने की सिफारिश की। मुस्तफा कमाल ने कहा, 'हर हाल में हमें अपना गणराज्य बचाना है। आटोमन साम्राज्य जर्जर मजहबी आधारों पर बना बेढंगी ढांचा था। नया गणराज्य अच्छे आधार और वैज्ञानिक संरचनाओं पर बनना है। खलीफा और उस्मानी अवशेषों को जाना ही होगा।

ADHUNIK TUTORIALS

" FOR THE STUDENTS, FROM A STUDENT "

FOR CLASSES 1st 5th

(ADMISSION OPEN)

FACILITIES

- Air Conditioned & Well Furnished Classroom
- Water Cooler Available
- Hygienic Washrooms
- CCTV for Safety Purposes
- In Campus Parking

Dr. (Er)PuneetArora (HON. DIRECTOR)
(B.Tech, M. Tech, MBA , Ph.D)
Awarded with ' Young Scientist & Best Teachers, Author of Many Books Chapters, Research Paper, Patent & Trademarks

Ms.Nilanjana Arora (Assistant Director)

- Ex. Student of Bethany Convent School, Bishop Johnson School & College, Girl's High School & College
- Pursuing B.Tech
- Awarded by TCS
- Certification in the Field of Web Development and Machine Learning .

Ms. Riya Arora (Counsellor)

- Ex. Student of Delhi Public School.
- Subject Topper of Delhi Public School
- Pursuing LLB from University of Allahabad .

Address: B-Block, ADA Colony, Mtek Campus, Naini, Prayagraj .

Contact :- Call and Whatsapp: 8542919234

बिसरख के पूर्व ब्लॉक प्रमुख ध्यान सिंह भाटी का निधन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। दो दशक से अधिक समय तक दादरी नोएडा विधानसभा क्षेत्र की राजनीति के महत्वपूर्ण किरदार रहे ध्यान सिंह भाटी का लंबी बीमारी के बाद बीती रात 65 वर्ष की आयु में निधन हो गया। आज सुबह बिसरख गांव में सैकड़ों लोगों की उपस्थिति में उनका अंतिम संस्कार किया गया। प्रमुख परिवार के नाम से क्षेत्र के जाने पहचाने परिवार में जन्मे ध्यान सिंह भाटी के पिता जगत सिंह भाटी 70-80 के दशक में बिसरख ब्लॉक प्रमुख थे। नब्बे के दशक में उनकी मां ब्लॉक प्रमुख रहीं। उनके पुत्र अंबरीष भाटी भी ब्लॉक प्रमुख रहे हैं। पिता जी के प्रमुख रहते हुए ही राजनीति में सक्रिय हुए ध्यान सिंह भाटी जिला पंचायत गाजियाबाद के सदस्य भी रहे।एक लंबे समय तक दादरी नोएडा विधानसभा क्षेत्र में राजनीति के एक महत्वपूर्ण किरदार रहे ध्यान सिंह भाटी ने बीती रात बिसरख स्थित अपने पैतृक निवास पर अंतिम सांस ली।

स्वर्गीय रत्न टाटा को एक्टिव एनजीओ ने नोएडा स्टेडियम में श्रद्धांजलि सभा आयोजित किया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। पद्मविभूषण से अलंकृत, भारत के महानतम उद्योगपतियों में से एक और उच्चतम स्तर के समाजसेवी, स्वर्गीय रतन टाटा जी को श्रद्धांजलि अर्पित करने के उद्देश्य से एक्टिव एनजीओ ग्रुप द्वारा नोएडा स्टेडियम में एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे, जिन्होंने रतन टाटा जी के प्रति अपनी भावनाएँ प्रकट कीं और उनके महान कार्यों के प्रति आदर प्रकट किया। सभा में वक्ताओं ने रतन टाटा जी के समाजसेवा, उद्योग और उनके विनम्र व्यक्तित्व से जुड़ी अपनी यादें साझा कीं। सभी ने उनके सामाजिक योगदान को सराहा और उनके अनुकरणीय जीवन को प्रेरणा का स्रोत बताया। इस अवसर पर एक्टिव एनजीओ ग्रुप के एडमिन और नवरत्न फाउंडेशन के अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव, नोवरा के अध्यक्ष रंजन तोमर, युवा क्रांति सेना के अविनाश सिंह, ममता शर्मा, शशि पाल शर्मा, पवन नायडू, अशोक तिवारी, नोएडा लोकमंच के मुकुल वाजपेयी, लायन मान सिंह चौहान, वी केयर के कर्नल अमिताभ अमित, लायंस क्लब गोल्डन की ममता तिवारी, कँवल कोहली, नवरत्न फाउंडेशन के महासचिव ए. वी. मुरलीधरन, अजय मिश्रा, आकाश चैरिटेबल ट्रस्ट के विंग कमांडर आशीष सक्सेना, युगधारा फाउंडेशन के स्वेता त्यागी, नारी उन्नति की बन्दना झा, एस सी झा, चैलेंजर्स ग्रुप के प्रिंस शर्मा, वाईएसएस के सचिन गुप्ता, ट्री शैल माथुर, कृष्ण मोहन, नवरत्न फाउंडेशन के अजय मिश्रा, राकेश यादव, दिनेश भाटी, सेक्टर 26 आर डब्लू ए के राजू कौल, डॉ. कल्पना भूषण, कल्पना कला केंद्र अशोक टकयार, रूप राजिंदर सिंह, सपना भटनागर, दिव्य तरंग एजुकेयर शुभम आदि मौजूद थे।

छठ पूजा की तैयारियों को लेकर हुई बैठक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। पूर्वांचल मित्र मंडल छठ पूजा समिति की बैठक सेक्टर 31 स्थित शहीद भगत सिंह पार्क में हुई। बैठक में छठ पूजा की तैयारियों पर चर्चा की गई। बैठक में कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए रणनीति बनाई गई। इस अवसर पर समित के महासचिव राघवेंद्र दुबे ने बताया कि 7 नवम्बर को सूर्य उपासना का महापर्व सेक्टर 31 के शहीद भगत सिंह पार्क में पूरी श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। 7 नवम्बर को अस्ताचलगामी सूर्य को छठव्रतियों द्वारा अर्घ्य दिया जाएगा वहीं 8 नवम्बर को उगते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। सुरक्षा व्यवस्था का सही प्रबंधन हो इसकी बैठक में चर्चा की गई। छठ व्रतियों को कोई असुविधा ना हो इसका पूरा ख्याल रखा जाएगा। घाट का निर्माण जल्द शुरू कर दिया जाएगा जिससे समय रहते सारी तैयारियां पूरी हो सकें।इस अवसर पर आयोजन समिति के संयोजक अर्जुन प्रजापति, जय प्रकाश, तरुण कुमार, गजेंद्र सिंह, अविनाश सिंह, राजेश अंबावता , मंगल ठाकुर , मयंक सिंह, सुजीत केसरी, मोहित केसरी, सुधीर राय सहित तमाम आयोजन समिति के पदाधिकारी मौजूद रहे।

बॉलीवुड/टेली मसाला

मेरी पूरी जिंदगी अदिति राव हैदरी के नाम पति सिद्धार्थ का प्यार भरा पैगाम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अदिति राव हैदरी ने बीते दिन अपना 38वां जन्मदिन मनाया। इस खास अवसर पर पति सिद्धार्थ ने दिल छू लेने वाली पोस्ट साझा की। सिद्धार्थ और अदिति राव हैदरी शोबिज की दुनिया के सबसे प्यारे जोड़ों में से एक हैं। दोनों नवविवाहित हैं और पूरी तरह प्यार में हैं। अदिति ने बीते दिन 28 अक्तूबर को अपना 38वां जन्मदिन मनाया। वहीं, इस खास अवसर पर सिद्धार्थ ने अपनी बेटर हाफ के लिए दिल छू लेने वाली पोस्ट साझा की। अभिनेता की पोस्ट पर प्रशंसक दिल खोलकर प्यार लुटा रहे हैं। अभिनेता सिद्धार्थ ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पत्नी अदिति के जन्मदिन पर उनकी कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। पहली तस्वीर अदिति की थी जिसमें वह साड़ी में बेहद खूबसूरत लग रही थीं, साथ में छोटी सी बिंदी उनकी खूबसूरती में चार चांद लगा रही थी। दूसरी सिद्धार्थ की एक प्यारी सी तस्वीर थी जिसमें वह उन्हें अपनी बाहों में पकड़े हुए थे, उनकी आंखें बंद थीं और अदिति कैमरे की ओर देखकर मुस्कुरा रही थीं। सिद्धार्थ ने तस्वीरों को साझा करते हुए कैप्शन दिया, 'मेरी पूरी जिंदगी। जन्मदिन मुबारक हो, मैं तुमसे प्यार करता हूं।' अदिति और सिद्धार्थ 16 सितंबर को एक बेहद अंतरंग समारोह में शादी के बंधन में बंध गए। अभिनेत्री अदिति ने इंस्टाग्राम पर अपनी शादी की तस्वीरों की एक सीरीज साझा की, जिसमें दोनों की केमिस्ट्री मंत्रमुग्ध करने वाली थी। दोनों की मुलाकात 2021 की फिल्म 'महा समुद्रम' के सेट पर हुई थी। हालांकि, अजय भूपति द्वारा निर्देशित यह एक्शन-रोमांस फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कमाल नहीं दिखा पाई। लेकिन फिल्म ने अदिति और सिद्धार्थ के रोमांस का मार्ग प्रशस्त किया। कथित तौर पर, शूटिंग के दौरान सेट पर उन्हें प्यार हो गया और सितंबर 2024 में शादी करने से पहले उन्होंने तीन साल तक डेट किया।

अमिताभ बच्चन ने छुए चिरंजीवी की मां के पैर, वीडियो वायरल, प्रशंसकों को पसंद आया बिग बी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। हाल ही में हुए एएनआर अवॉर्ड समारोह में बॉलीवुड के शहंशाह अमिताभ बच्चन ने साउथ अभिनेता चिरंजीवी की मां के पैर छूए और आशीर्वाद लिया। अमिताभ का अभिवादन करने का यह तरीका उनके प्रशंसकों का दिल जीत लिया। उनका यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन ने सितारों से सजी एएनआर अवॉर्ड सेरेमनी में चिरंजीवी की मां के पैर छूकर आशीर्वाद लिया, जिसे वहां पर मौजूद सभी मौजूदा लोगों ने देखा और उके अभिवादन करने के इस तरीके को सराहा। शहंशाह ऑफ बॉलीवुड अमिताभ बच्चन सोमवार शाम को हैदराबाद पहुंचे और इस भव्य कार्यक्रम में तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े कई दिग्गज भी शामिल हुए। ऑनलाइन सामने आए इस वायरल वीडियो में अमिताभ को चिरंजीवी और नागार्जुन इवेंट में ले गए थे। उन्हें उनकी सीट पर बैठाने से पहले चिरंजीवी ने अमिताभ को उनकी मां से मिलवाया। इस वीडियो में बिग बी ने विनम्रतापूर्वक हाथ जोड़कर उनका अभिवादन किया और उनके पैर भी छुए। यह दिल को छू लेने वाला पल कैमरे में कैद हो गया। अमिताभ और उनकी मां की बातचीत देखकर चिरंजीवी भी बड़ी मुस्कान के साथ नजर आए। इस वीडियो पर अब प्रशंसक लगातार अपनी राय व्यक्त कर रहे हैं।इस दौरान अमिताभ ने कई तेलुगु सितारों से मुलाकात की। इस दौरान नागार्जुन ने अमिताभ के पैर छूए और कार्यक्रम में जाने से पहले उनका आशीर्वाद लेते देखा गया। मंच पर, नागा चैतन्य ने भी बिग बी के पैर छूकर उनका अभिवादन किया। उनके साथ उनकी होने वाली पत्नी शोभिता धुलिपाला भी मौजूद थीं।अमिताभ ने इस कार्यक्रम का हिस्सा बनने पर अपनी खुशी जाहिर की। अमिताभ बच्चन ने चिरंजीवी को एएनआर पुरस्कार प्रदान किया। एक्स पर समारोह की कुछ तस्वीरें साझा करते हुए अमिताभ ने लिखा, भावनाओं और पुरानी यादों से भरी एक शाम .. क्योंकि परिवार और उद्योग एएनआर नागेश्वर राव को उनकी 100वीं जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं .. मुझे इस शाम का हिस्सा बनाने के लिए नाग का बहुत-बहुत आभार.. और चिरंजीवी गारू (गारू मतलब बड़े भाई जैसा)... आपको एएनआर पुरस्कार प्रदान करना मेरे लिए बड़े सम्मान की बात है।अमिताभ ने अपने पिता हरिवंश राय बच्चन की एक कविता की पंक्तियां भी साझा कीं। उन्होंने कहा, ठमेरे बेटे, बेटे होने से मेरे उत्तराधिकारी नहीं होंगे। जो मेरे उत्तराधिकारी होंगे, वो मेरे उत्तराधिकारी होंगे। नाग, आपने और आपके परिवार ने साबित कर दिया है कि आप इस महान व्यक्तित्व के सच्चे उत्तराधिकारी हैं।

'गोलमाल' का यह सीन लिखा गया था सेट पर, अरशद वारसी ने की अजय देवगन के सेंस ऑफ ह्यूमर की तारीफ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अरशद वारसी ने हाल ही में दिए गए एक साक्षात्कार में 'गोलमाल' फिल्म के ब्लैक सीन की चर्चा की। उन्होंने बताया कि यह दृश्य कैसे फिल्माया गया था। साथ ही उन्होंने अजय देवगन के सेंस ऑफ ह्यूमर की भी तारीफ की। दिवाली पर रोहित शेट्टी और अजय देवगन की फिल्म 'सिंघम अगेन' रिलीज होने वाली है। 'सिंघम फ्रेंचाइजी' से पहले रोहित और अजय गोलमाल की फ्रेंचाइजी में भी साथ काम कर चुके हैं। इस फ्रेंचाइजी का अरशद वारसी भी अहम हिस्सा रहे हैं। यह फिल्म रोहित शेट्टी की सबसे मनोरंजक फिल्मों में से एक मानी जाती है। अपने मजेदार डायलॉग्स और कॉमिक टाइमिंग के चलते यह फिल्म दर्शकों की पसंदीदा है। हाल ही में, 'गोलमाल' अभिनेता अरशद वारसी ने साझा किया कि उनके सह-कलाकार अजय देवगन का 'शानदार सेंस ऑफ ह्यूमर' है। अरशद ने यह भी बताया कि उन्होंने फिल्म में ब्लैक सीक्वेंस को कैसे सुधारा अरशद वारसी ने हाल ही में मैशबल इंडिया को दिए एक साक्षात्कार के दौरान 'गोलमालः फन अनलिमिटेड' में ब्लैक सीन के बारे में खुलासा किया। अरशद ने खुलासा किया कि यह सीक्वेंस स्क्रिप्ट में नहीं लिखा गया था। उन्होंने कहा, ठबहुत मजा आता था वहां पर। अजय का सेंस ऑफ ह्यूमर बहुत बढ़िया है। हमने इस पागलपन को करना शुरू कर दिया...मैं 'बर्फ पड़ने वाली है' पर हंस रहा था...यह बकवास करना बहुत मजेदार है। मुझे यह बहुत पसंद है।

पति पत्नी और वो 2' का हिस्सा बनीं ये साउथ अभिनेत्री, कार्तिक आर्यन के साथ फरमाएंगी रोमांस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। पति पत्नी और वो 2' ने प्रशंसकों के उत्साह को बढ़ाया हुआ है। फिल्म में कार्तिक आर्यन और भूमि पेडनेकर अपनी भूमिका को दोहराने वाले हैं। वहीं, अब दूसरी महिला प्रधान भूमिका के लिए इस साउथ अभिनेत्री का नाम सामने आया है। 'पति पत्नी और वो 2' काफी चर्चा पैदा कर रहा है क्योंकि यह आने वाले महीनों में फ्लोर पर जाने के लिए तैयार है। कार्तिक आर्यन और भूमि पेडनेकर 2019 की हिट फिल्म से अपनी भूमिकाओं को फिर से निभाएंगे। अनन्या पांडे के फिल्म से बाहर होने के बाद प्रशंसक इस बात को लेकर उत्सुक थे कि 'वो' की भूमिका कौन सी अभिनेत्री निभाएगी। वहीं, अब इस पर बड़ा अपडेट सामने आया है। 'वो' के लिए इस साउथ हसीना के नाम की चर्चा जोरों पर है। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो साउथ अभिनेत्री श्रीलीला को बतौर दूसरी महिला प्रधान कास्ट करने को लेकर विचार किया जा रहा है। श्रीलीला अपने प्रभावशाली अभिनय के लिए जानी जाती हैं और हाल ही में उन्होंने 'गुंटूर कारम' में महेश बाबू के साथ अभिनय किया। पहले, श्रीलीला को वरुण धवन और मृणाल ठाकुर के साथ डेविड धवन की फिल्म के कलाकारों में शामिल होने की उम्मीद थी। हालांकि, शेड्यूल संबंधी दिक्कतों के कारण उन्हें बाहर होना पड़ा और उनकी जगह पूजा हेगड़े ने ले ली। इस झटके के बावजूद, श्रीलीला वर्तमान में इब्राहिम अली खान के साथ 'दिलेर' पर काम कर रही हैं, जो एक और रोमांचक बॉलीवुड फिल्म है।मूल फिल्म 'पति पत्नी और वो' अपनी प्रासंगिक कहानी और हास्य के लिए लोकप्रिय थी। एक छोटे शहर से ताल्लुक रखने वाले कार्तिक आर्यन ने पति का किरदार निभाया था वहीं उनकी पत्नी के रूप में भूमि पेडनेकर की मजबूत भूमिका इसकी सफलता की कुंजी थी। सीक्वल का लक्ष्य दर्शकों की रुचि बनाए रखने के लिए नयापन जोड़ते हुए उस आकर्षण को बरकरार रखना है। कार्तिक आर्यन ने सीक्वल के लिए वापसी को लेकर उत्साह दिखाया और स्क्रिप्ट की प्रशंसा की। निर्देशक मुदस्सर अजीज भी कहानी में नए विचार लाने के लिए वापस आ गए हैं। वह ढेर सारी हंसी और आकर्षक पलों का वादा करते हुए एक महिला के नजरिए से कहानी को मोड़ देने के लिए उत्सुक है। लक्ष्य प्यार और रिश्तों पर एक आधुनिक दृष्टिकोण प्रस्तुत करना है। साथ ही यह सुनिश्चित करना कि यह आज के दर्शकों के अनुरूप हो।

जिसको एकता कपूर के दफ्तर से धक्के देकर निकाला, उसी ने मुसीबत में बालाजी की टीम को उबारा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। 'गंदी बात' की जिस हीरोइन को कभी एकता कपूर के यहां से धक्के देकर निकाला गया था, उसी हीरोइन नाजनीन पाटनी को उनके दफ्तर से बुलाकर इस फिल्म में किरदार दिया गया। निर्माता एकता कपूर की नई फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट' के टीजर में उनकी चर्चित सीरीज 'गंदी बात' की एक हीरोइन को देखकर लोग चौंक गए हैं। जी हां, जिस हीरोइन को कभी एकता कपूर के यहां से धक्के देकर निकाला गया था, उसी हीरोइन नाजनीन पाटनी को न सिर्फ उनके दफ्तर से बुलाकर इस फिल्म में किरदार दिया गया, बल्कि उनकी इन दिनों खूब सुर्खियां बना रही सीरीज 'गंदी बात' के एक एपिसोड के लिए भी इस हीरोइन ने आधी रात के वक्त उनकी कंपनी की मदद की थी। नाजनीन पाटनी गुजरात से हैं। सोमनाथ शहर में उनका जन्म हुआ और पिता की नौकरी के चलते वह गुजरात और महाराष्ट्र के कई स्थानों पर रहीं। बचपन में उनका परिवार लंबे समय तक अहमदाबाद में भी रहा और वहां उनके परिवार पर दंगे के दौरान जानलेवा हमला भी हुआ। नाजनीन सेल्फ मेड एक्टर हैं। बिना किसी फिल्मी पृष्ठभूमि के मुंबई में आकर रहना और लगातार काम पाते रहना अपने आप में बड़ी उपलब्धि है। 'अमर उजाला' से एक एक्सक्लूसिव मुलाकात में नाजनीन बताती हैं, 'मैंने कभी हिम्मत नहीं हारी और रिजेक्शन को कभी दिल से नहीं लगाया।' नाजनीन पाटनी के मुताबिक, 'मुंबई आने के बाद एक ऑटो वाले ने मुझे खूब बेवकूफ बनाया। फिल्मी दफ्तरों में ले जाने के नाम पर उसने मुझसे खूब पैसे ऐंठे और एक दिन वह जब मुझे एकता कपूर की कंपनी बालाजी टेलीफिल्म्स के दफ्तर छोड़कर आया तो वहां लोगों ने मुझे धक्के मारकर बाहर निकाल दिया। वहीं पर एक बुजुर्ग वॉचमैन भी थे, उन्हें इसका बहुत बुरा लगा। वह बस इतना कह पाए कि बेटी इनका बुरा मत मानना, यही लोग एक दिन तुम्हें बुलाकर काम देंगे।'और उन बुजुर्ग वॉचमैन की जुबान पर जैसे उस दिन सरस्वती बैठी थी। कुछ ही दिन बाद नाजनीन के पास आधी रात को बालाजी टेलीफिल्म्स के दफ्तर से फोन आया। फोन करने वाला हड़बड़ाया हुआ था। किसी हीरोइन ने ऐन मौके पर सुबह शूट पर आने के लिए मना कर दिया था। नाजनीन का ऑडिशन उनके पास था और वहीं से नंबर निकालकर बालाजी टेलीफिल्म्स की टीम ने नाजनीन को फोन किया। नाजनीन को उस बुजुर्ग वॉचमैन का कहा याद आया, लेकिन डर ये भी था कि पता नहीं कैसा किरदार उनसे करा लिया जाए। तो उन्होंने सुबह सेट पर आने और स्क्रिप्ट सुनने के बाद ही आगे का फैसला करने का निर्णय किया। नाजनीन बताती हैं, 'वेब सीरीज 'गंदी बात' के दूसरे सीजन का मैंने बस वही एपिसोड किया है। उसमें मैंने एक ऐसी पत्नी का किरदार किया है जो अपने पति की यौन इच्छाओं को लेकर बनी अरुचि का मनोवैज्ञानिक समाधान करती है। इस किरदार के बाद मेरे पास तमाम महिलाओं के फोन व संदेश आए और उन्होंने मुझे इस समस्या के बारे में खुलकर बात करने का साहस देने का शुक्रिया अदा किया।' इस सीरीज में काम करने के बाद नाजनीन ने बालाजी टेलीफिल्म्स की जल्द रिलीज होने वाली फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट' में भी काम किया है।

विमान से उतार दिए गए शमिता शेट्टी के बैग, इंडिगो पर भड़कीं अभिनेत्री, आया ये जवाब

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। शमिता शेट्टी ने विमान यात्रा के दुखद अनुभव को साझा किया है। अभिनेत्री ने इंडिगो पर जमकर भड़ास निकाली है। वहीं, उनकी पोस्ट पर एयरलाइन कंपनी की भी प्रतिक्रिया सामने आ गई है। शमिता शेट्टी फिल्मों से दूर लेकिन सोशल मीडिया पर काफी ज्यादा एक्टिव नजर आती हैं। अभिनेत्री को अपनी निजी जिंदगी की झलकियों को पोस्ट के जरिए प्रशंसकों के साथ साझा करते देखा जाता है। हालांकि, इस बार शमिता ने एक्स पर एक दुखद अनुभव साझा किया है। यह अनुभव विमान से यात्रा करने के दौरान की है। उन्होंने पोस्ट के जरिए एयरलाइन कंपनी को फटकार लगाई है। शमिता का आरोप है कि एयरलाइन से बिना किसी सूचना के उनके बैग विमान से उतार दिए गए। शमिता शेट्टी ने एक्स पर एक वीडियो अपलोड किया है, जिसमें उन्होंने बताया है कि वह एक कार्यक्रम के लिए जयपुर से चंडीगढ़ की यात्रा कर रही थीं जब इंडिगो एयरलाइंस ने वजन की समस्या के कारण उनका और उनके हेयरड्रेसर का सामान उतार दिया। अभिनेत्री ने कहा, 'मैं चंडीगढ़ हवाईअड्डे पर फंस गई हूं। मैंने इंडिगो एयरलाइन से जयपुर से चंडीगढ़ की यात्रा की है और मेरे बैग मुझे बताए बिना ही उतार दिए गए।' शमिता ने आगे जोड़ा, 'मैं यहां एक कार्यक्रम के लिए आई हूं। वजन संबंधी कुछ समस्याओं के कारण मेरे हेयरड्रेसर का बैग और मेरा बैग उतार दिया गया। क्या ऐसा कुछ करने से पहले मुझे सूचित नहीं किया जाना चाहिए?' अभिनेत्री ने साझा किया कि उन्हें अपना सामान लेने के लिए जयपुर से चंडीगढ़ की अगली उड़ान का इंतजार करने के लिए कहा गया था, जो उनके कार्यक्रम समाप्त होने के बाद चंडीगढ़ में उतरने वाली थी। अभिनेत्री ने कहा, 'ग्राउंड स्टाफ को यह भी नहीं पता था कि हमारी मदद कैसे करनी है।' वीडियो शेयर करते हुए शमिता ने एक्स पर लिखा, 'माफ करें मेरी फ्रेंच लेकिन इंडिगो एयरलाइन, आप उड़ान भरने के लिए एक बेहद खराब एयरलाइन हैं। और ग्राउंड स्टाफ पूरी तरह से बेकार है। इस एयरलाइन पर उड़ान भरने से पहले दो बार सोचें।' शमिता शेट्टी के वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए एयरलाइन कंपनी ने लिखा, 'मिस शेट्टी, आपको हुई असुविधा के लिए खेद है और हम मामले का समाधान करना चाहेंगे। हमने पंजीकृत नंबर पर आपसे संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन कॉल का जवाब नहीं मिला। क्या आप कृपया हमें एक वैकल्पिक संपर्क नंबर और हमारे लिए सुविधाजनक समय पर डीएम कर सकती हैं।

फ्लॉप होने पर भी कैसे मिला अर्जुन कपूर को सिंघम अगेन में अहम किरदार, रोहित शेट्टी की पारखा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। सिंघम अगेन, इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। सिर्फ तीन दिन अपनी रिलीज से दूर सिंघम 3 को देखने के लिए प्रशंसक बेकरार हैं। फिल्म में अर्जुन कपूर एक खलनायक की भूमिका में नजर आएंगे, जो इस फिल्म का काफी दमदार किरदार है। आखिरकार, सिंघम 3 में अर्जुन को यह अहम किरदार कैसे मिला, जबकि उनकी कई लगातार कई फिल्में बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप हुईं। आइए जानते हैं कि आखिर क्यूं रोहित ने उन्हें यह किरदार ऑफर किया। सिंघम अगेन में इस बार कई पुराने और नए चेहरे नजर आएंगे। इस कॉप यूनिवर्स में नए चेहरे की बात करें तो टाइगर श्रॉफ और अर्जुन कपूर जुड़े हैं। वहीं अर्जुन का करियर अभी तक कुछ खास नहीं रहा है फिर भी रोहित ने उन्हें इस फिल्म में लीड खलनायक का किरदार निभाने का मौका दिया। ऐसा आखिर रोहित ने क्यों किया 2012 में इश्कजादे से अपने अभिनय करियर की शुरुआत करने के बाद से अर्जुन कपूर ने कई बेहतरीन प्रदर्शन किए हैं। तब से, वे कई हिट फिल्मों का हिस्सा रहे हैं, लेकिन हाल के दिनों में, उनकी कुछ फिल्में बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाईं। ऐसा होने के बाद भी रोहित ने उन्हें अपनी आगामी एक्शन फिल्म सिंघम अगेन में खलनायक की भूमिका निभाने के लिए चुना। रोहित शेट्टी की सिंघम अगेन के लिए संवाद लिखने वाले मिलाप जावेरी ने इंटरव्यू के दौरान कहा कि फिल्म निर्माता एक प्रतिभाशाली व्यक्ति हैं, जो लोगों की काबिलियत पर भरोसा करते हैं, भले ही उनका करियर ग्राफ कितना भी ऊंचा या नीचा क्यों न हो। जब उनसे पूछा गया कि उन्होंने अपनी आगामी मल्टी-स्टारर फिल्म में खलनायक की भूमिका के लिए अर्जुन कपूर को क्यों चुना , तो उन्होंने कहा, ठउन्होंने सिंघम अगेन के लिए अर्जुन कपूर में प्रतिभा और जुनून देखा। उनका मानना था कि अर्जुन कपूर को बस सही अवसर की जरूरत है, और यही उनकी प्रतिभा है। एक बार फिल्म रिलीज होने के बाद, हम देखेंगे कि रोहित कितने सही थे।रोहित शेट्टी भारत के आज सबसे बड़े निर्देशकों में से एक हैं, जब भी वह सेट पर आते हैं, तो पूरा क्रू उनका सम्मान करता है।

सोनाक्षी और जहीर ने साझा की तस्वीरें, जोड़े में दिखी लैला मजनू की केमिस्ट्री

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल ने इंस्टाग्राम पर अपनी तस्वीरों की एक सीरीज साझा की। इन तस्वीरों में वह काफी प्यारे लग रहे हैं। सोनाक्षी ने फिल्म 'लैला मजनू' के गाने से एक कैप्शन लिखते हुए जहीर को टैग किया, जिसके बाद प्रशंसकों ने अपनी प्रतिक्रिया देनी शुरू कर दी। सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल अक्सर कपल गोल सेट करते हुए नजर आते हैं। सार्वजनिक उपस्थिति से लेकर सोशल मीडिया तक दोनों एक दूसरे का हाथ थामे नजर आते हैं। सोनाक्षी और जहीर की शादी बॉलीवुड की सबसे चर्चित शादियों में से एक हैं। हाल ही में रमेश तौरानी की दिवाली पार्टी में दोनों शामिल हुए। हाल ही में सोनाक्षी और जहीर ने अपनी तस्वीरें साझा कीं। इन तस्वीरों में सोनाक्षी और जहीर अपने अंदर की लैला मजनू को दिखा रहे हैं और प्रशंसक उन्हें देखकर खुश हैं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।

सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398

website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।